twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

In Just 500 ₹
Get
Video AD +2 Days Free Marketing
Advertise On Leading News Channel
9891255609
9354173558
9891221238

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार 02 जनवरी, 2024 | वर्ष: 11 अंक: 130 पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

राम मंदिर: जजों ने सर्वसम्मति से फैसला किया था

'विवादित स्थल पर एक ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाने वाले पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से फैसला किया था'

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक अयोध्या फैसले के चार साल से अधिक समय बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अहम टिप्पणी की है। सोमवार को चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि विवादित स्थल पर एक ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाने वाले पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से फैसला किया था। निर्णय के लिए कोई लेखकत्व जिम्मेदार नहीं होगा। इसे आसान भाषा में समझें तो अयोध्या मामले में फैसला किसने लिखा है, इसक उल्लेख नहीं किया जाएगा।

4 साल पहले लिया गया था फैसला

गौरतलब है कि, 9 नवंबर, 2019 को, एक सदी से भी अधिक समय से चले आ रहे एक विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया गया था। इसके लिए तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने मंदिर के निर्माण पर फैसला सुनाया था। पीठ ने सुनवाई में उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर में एक मस्जिद के लिए वैकल्पिक पांच एकड़ का भूखंड खोजा जाएगा। संविधान पीठ में शामिल सीजेआई चंद्रचूड़ ने नाम न छापने के मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा, जब न्यायाधीश एक साथ बैठे, जैसा कि वे किसी फैसले से पहले करते हैं, तो सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यह 'अदालत का निर्णय' होगा।

5 न्यायाधीशों की पीठ ने लिया था फैसला

सीजेआई ने कहा कि 'जब पांच न्यायाधीशों की पीठ फैसले पर विचार-विमर्श करने के लिए बैठी, जैसा कि हम सभी फैसला सुनाए जाने से पहले करते हैं, तो हम सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यह अदालत का फैसला होगा और इसलिए, किसी भी व्यक्तिगत न्यायाधीश को कोई लेखकत्व नहीं दिया गया है।' चीफ जस्टिस ने कहा, 'इस मामले में संघर्ष का एक लंबा इतिहास है, देश के इतिहास पर आधारित विविध दृष्टिकोण हैं।

'हिंदुओं की यह आस्था निर्विवाद थी'

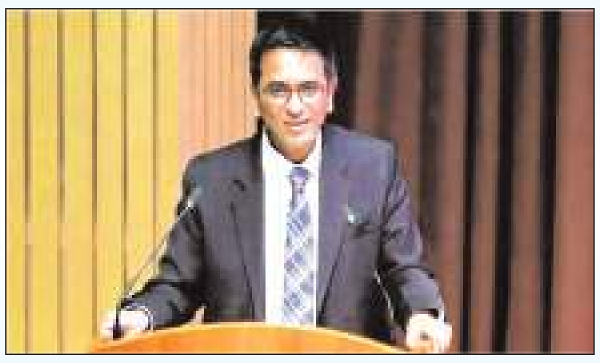

चीफ जस्टिस ने कहा कि फैसला किया कि यह अदालत का फैसला होगा। अदालत एक स्वर से बात करेगी और ऐसा करने का विचार यह स्पष्ट संदेश देना था कि हम सभी न केवल अंतिम परिणाम में बल्कि फैसले में बताए गए कारणों में भी एक साथ खड़े हैं।' शीर्ष अदालत की पीठ ने 2019 में कहा था कि हिंदुओं की यह आस्था निर्विवाद थी कि भगवान राम का जन्म इसी स्थान पर हुआ था और वह प्रतीकात्मक रूप से भूमि के मालिक थे। अदालत ने कहा था कि फिर भी, यह भी स्पष्ट है कि हिंदू कारसेवकों द्वारा 16वीं शताब्दी की तीन गुंबद वाली संरचना का विनाश, जो वहां राम मंदिर बनाना चाहते थे, एक गलती थी जिसका समाधान किया जाना चाहिए।

इसका आस्था और विश्वास से कोई लेना-देना नहीं है और इसके बजाय मामले को तीन पक्षों - सुन्नी मुस्लिम वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा, एक हिंदू समूह और राम लला विराजमान के रूप में नामित प्रतीकात्मक भगवान राम के बीच भूमि पर स्वामित्व विवाद के रूप में माना जाता है।

राम मंदिर निर्माण पर 1,045 पन्नों का था फैसला

1,045 पन्नों के फैसले का हिंदू राजनेताओं और समूहों ने व्यापक स्वागत किया, जबकि मुस्लिम नेतृत्व ने कहा कि वे फैसले को स्वीकार करेंगे, भले ही उन्होंने इसे त्रुटिपूर्ण बताया। फिर भी, उन्होंने शांति का आह्वान किया और सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने नोट किया कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।

5 न्यायाधीशों की पीठ ने लिया था फैसला

सीजेआई ने कहा कि 'जब पांच न्यायाधीशों की पीठ फैसले पर विचार-विमर्श करने के लिए बैठी, जैसा कि हम सभी फैसला सुनाए जाने से पहले करते हैं, तो हम सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यह अदालत का फैसला होगा और इसलिए, किसी भी व्यक्तिगत न्यायाधीश को कोई लेखकत्व नहीं दिया गया है।' चीफ जस्टिस ने कहा, 'इस मामले में संघर्ष का एक लंबा इतिहास है, देश के इतिहास पर आधारित विविध दृष्टिकोण हैं।

सुन्नी मुस्लिम वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा, एक हिंदू समूह और राम लला विराजमान के रूप में नामित प्रतीकात्मक भगवान राम के बीच भूमि पर स्वामित्व विवाद के रूप में माना जाता है।

एटीएफ की कीमत में चार फीसदी की कटौती, नई दरें लागू

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने नव वर्ष 2024 के पहले दिन सोमवार को विमान टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत में चार फीसदी की कटौती की है। ये लगातार तीसरा महीना है, जब एटीएफ के दाम कम हुए हैं। नई दरें लागू हो गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की जारी अधिसूचना के मुताबिक एटीएफ के दाम में 4,162.5 रुपये यानी 3.9 फीसदी की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद राजधानी दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत 1,01,993.17 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। एटीएफ की कीमत में लगातार तीसरी बार कटौती की गई है। इससे पहले दिसंबर, 2023 में एटीएफ की कीमत में 5,189.25 यानी 4.6 फीसदी की कटौती की गई थी जबकि नवंबर में एटीएफ के दाम में लगभग छह फीसदी (6,854.25 रुपये प्रति किलोलीटर) की कटौती की गई थी। दरअसल, किसी एयरलाइंस की परिचालन लागत में एटीएफ का हिस्सा करीब 40 फीसदी बैठता है। ऐसे में विमान ईंधन के दाम में कटौती होने से वित्तीय रूप से दबाव झेल रही विमानन कंपनियों को राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) पिछले महीने की औसत अंतरराष्ट्रीय कीमत के आधार पर प्रत्येक महीने की पहली तारीख को एटीएफ की कीमतों में संशोधन करती हैं।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीकर वाहन चलाने पर 495 लोगों का चालान

नई दिल्ली

नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 495 लोगों का चालान किया। यह जानकारी दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दी। पुलिस के मुताबिक खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले 47 लोगों का चालान किया गया। गलत तरीके से सामान ढोने पर 132 और अनुचित पार्किंग करने पर 3,452 वाहनों का चालान किया गया।

2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लें संकल्प: सीएम योगी

मथुरा

देश के पहले बालिका सैन्य विद्यालय का सोमवार को वृंदावन में लोकार्पण हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त रूप से फीता खोलकर देश की बेटियों को पहला बालिका सैन्य विद्यालय समर्पित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, " जो लोग अयोध्या जाने से संकोच करते थे। वह अब कह रहे हैं कि हमें निमंत्रण नहीं मिला। साथ ही कहा कि हर नागरिक का ये संकल्प होना चाहिए कि 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने में

सहयोग करे। महायोगी की नगरी मथुरा की पहचान अब बेटियों से भी होगी। वृंदावन में देश के पहले सैन्य बालिका विद्यालय का लोकार्पण हो गया। साध्वी ऋतंभरा द्वारा स्थापित वात्सल्य ग्राम परिसर में समविद गुरुकुलम बालिका सैन्य विद्यालय में सीबीएसई पाठ्यक्रम के साथ सैन्य प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस सैन्य विद्यालय में 120 सीटें हैं। आगामी 21 जनवरी को लिखित परीक्षा होगी, जिसमें सफल अभ्यर्थियों की ई-काउंसलिंग होगी और मेरिट लिस्ट बनेगी। सत्र अप्रैल से शुरू होगा। बेटियों के तीन बैच बनाए जाएंगे।

श्री राधा-कृष्ण के आदेश से खुला मथुरा में सैनिक स्कूल: राजनाथ सिंह

मथुरा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि साल के पहले दिन साधु संतों का आशीर्वाद मिलना बड़े सौभाग्य की बात है। राम मंदिर आंदोलन में दीदी मां साध्वी रितंभरा का अहम योगदान था। समाज को ही दीदी ने परिवार मान लिया है। हमारे देश के ऋषियों ने पूरी धरा पर रहने वाले समाज को परिवार माना है। जिस क्षेत्र में कान्हा रहते हैं वहां तो दिव्यता रहेगी ही रहेगी। कृष्ण वह हैं जो आपको आकर्षित करते हैं, कृष्ण के नाम में ही सुख है। इसलिए कृष्ण की इस

नगरी में मेरा मन प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि वृंदावन में विदेशी भगवान के दर्शन करते हैं और रम जाते हैं, अधिकांश यहां बस जाते हैं।

यहां शांति की अनुभूति होती है। उन्हें भगवान कृष्ण और राधा रानी की भक्ति करके वृंदावन में शांति मिलती है। यहां रिक्शा वाला भी राधे- राधे बोलता है। राधे- राधे बोलने वाले लोग मिलेंगे तो वह वृंदावन में ही मिलेंगे। यहां चाय पीना हो, पान खाना हो, कचौड़ी खानी हो सब जगह राधे- राधे बोलते यहां के निवासी मिलेंगे। राधे-राधे उनके जीवन में बसा है। यह यहीं संभव है। यहां सैन्य स्कूल मैंने नहीं, राधा- कृष्ण के आदेश से खुला है। दीदी मां से अनुरोध है कि जो स्वामी परमानंद आदेश दिया है, उसको पूरा करें।

'फ्रांस से लौटी 'डंकी उड़ान' में सवार बच्चे के लापता होने की खबरें गलत'

अहमदाबाद

गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विकास सहाय ने सोमवार को उन खबरों को गलत करार दिया जिसमें कहा गया कि फ्रांस से भारत लौटी 'डंकी उड़ान' में सवार दो साल का बच्चा लापता हो गया है। यह विमान 26 दिसंबर को 276 यात्रियों के साथ मुंबई पहुंचा था। विमान, एयरबस ए340 को मानव तस्करी के संदेह में चार दिनों के लिए फ्रांस में रोक दिया गया था।

इसमें 303 यात्री सवार थे। यह विमान संयुक्त अरब अमीरात से फ्रांस पहुंचा था और इसे निकारागुआ जाना था। निकारागुआ का इस्तेमाल अक्सर अवैध प्रवासियों द्वारा अमेरिका जाने के लिए किया जाता है।

अवैध यात्राओं को 'डंकी फ्लाइट्स' कहा जाता है

इस तरह की अवैध यात्राओं को 'डंकी फ्लाइट्स' कहा जाता है। यह शब्द पंजाब में चोरी-छिपे अमेरिका या कनाडा जाने वाले लोगों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। विकास सहाय ने कहा, बच्चे का पता नहीं चल पाने का दावा करने संबंधी रिपोर्ट गलत है।

भारत और पाक ने एक दूसरे को बताए अपने परमाणु ठिकाने

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान ने एक दूसरे को अपने परमाणु ठिकानों की सूचना साझा की है। दरअसल, दोनों देशों ने तीन दशक से अधिक समय से जारी अभ्यास को जारी रखा है।

दोनों में हो रखा समझौता

भारत और पाकिस्तान ने सोमवार को एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। दोनों देशों के बीच हुआ यह समझौता एक-दूसरे के परमाणु हथियारों पर हमला करने से रोकता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि सूची का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमला रोकने के एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ।

विदेश मंत्रालय का आया बयान

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के माध्यम से एक साथ ये सूचना साझा की गई। भारत और पाकिस्तान ने आज राजनयिक चैनलों के माध्यम से नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान-प्रदान किया, जो भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमले को रोकने के लिए हुए समझौते के तहत हुआ।

कोहरे की वजह से नए साल के पहले दिन दिल्ली आने वाली 21 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली

कोहरे की वजह से नए साल के पहले दिन दृश्यता कम रही है। इसकी वजह से विभिन्न मार्गों से चलकर दिल्ली पहुंचने वाली 21 ट्रेनें 45 मिनट से आठ घंटे की देरी से चल रही हैं।

रेलवे जनसंपर्क विभाग के मुताबिक इन ट्रेनों में बिहार के दरभंगा से नई दिल्ली आने वाली 02569 क्लोन स्पेशल एक्सप्रेस, गया से नई दिल्ली आने वाली 12397 महाबोधि एक्सप्रेस, बनारस से नई दिल्ली आने वाली 15127 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, मध्य प्रदेश के डॉक्टर अंबेडकर नगर से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली 12919 मालवा एक्सप्रेस, खजुराहो से नई दिल्ली होते हुए कुरूक्षेत्र जाने वाली 11841 गीता एक्सप्रेस, जबलपुर से दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन स्टेशन तक की ट्रेन 12189 महाकौशल एक्सप्रेस विलंबित रहीं।

नववर्ष: रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे वैष्णो देवी, उत्तराखंड के पर्यटक स्थल पैक

नई दिल्ली

नए साल के स्वागत में पहाड़ पर्यटकों से पट गए हैं। जम्मू-कश्मीर में देशभर से पर्यटकों से लेकर मां वैष्णो देवी का आशीर्वाद लेने श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। श्रीनगर के ऐतिहासिक लाल चौक पर नए साल का जश्न मनाने के लिए पहली बार आम लोगों से लेकर पर्यटकों की भारी भीड़ रही। उत्तराखंड के मसूरी, धनोल्टी, कौसानी, औली, लैंसडोन, काणाताल, अल्मोड़ा और रानीखेत में बड़ी संख्या में सैलानी नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंच चुके हैं। हालांकि नैनीताल में उम्मीद के मुताबिक पर्यटक नहीं पहुंचे हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के पर्यटनस्थलों में पिछले दो दिन में 3.75 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे।

रिकार्ड श्रद्धालु पहुंचे वैष्णो देवी

नववर्ष पर मां वैष्णो देवी का आशीर्वाद लेने के लिए कटड़ा से मां वैष्णो देवी का दरबार श्रद्धालुओं से गुलजार है। शाम साढ़े सात बजे तक 42 हजार श्रद्धालु पंजीकरण करवा भवन की ओर रवाना हो चुके थे। इसके बावजूद पंजीकरण काउंटरों पर लंबी लाइन लगी रही। भीड़ को देखते हुए श्राइन बोर्ड प्रशासन द्वारा शाम साढ़े सात बजे पंजीकरण केंद्र बंद कर दिए गए। कटड़ा में 20 से 25 हजार श्रद्धालु यात्रा पंजीकरण केंद्र खुलने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष एक लाख 94 हजार से अधिक श्रद्धालु हाजिरी लगा चुके हैं। पिछले वर्ष 93,23,647 श्रद्धालु मां के दरबार में पहुंचे थे। वहीं, इस वर्ष 95 लाख 20 हजार श्रद्धालु मां के दरबार पहुंचे।

लाल चौक पर पहली बार नववर्ष का जश्न

कश्मरी के इतिहास में यह पहली बार है कि जब लाल चौक जैसे सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील इलाके में नववर्ष के अवसर पर विशाल समारोह हुआ। गुरुग्राम से आए अमिताभ पर्यटक ने कहा, वह बीते तीन वर्षों से नववर्ष घाटी में ही मनाता आ रहे हैं। गुलमर्ग, पहलगाम में परिवार के साथ जा चुका हूं। इस बार लालचौक में जश्न मनाया जो कि यादगार रहा। बैंगलुरु से आए श्रीधर ने कहा, अभी तक तो हमने लाल चौक को विशेषकर घंटाघर को ऐसे अवसरों पर सुनसान ही पाया था। मगर अब सब बदल गया है।

उत्तराखंड के सभी पर्यटक स्थल पैक

उत्तराखंड के मसूरी, धनोल्टी, कौसानी, औली, लैंसडोन, काणाताल, अल्मोड़ा और रानीखेत में लगभग डेढ़ लाख से ज्यादा पर्यटक नए साल का जश्न मनाने के लिए पहुंच चुके हैं। पिछले तीन दिन से सैलानियों का जश्न के लिए उत्तराखंड पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। मसूरी में भी बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचे हैं। हालांकि अभी वहां जाम जैसी कोई स्थिति नहीं है।

सचिन के बच्चे की मां बनने वाली है सीमा हैदर, खुद किया कंफर्म;

नोएडा। ऑनलाइन गेमिंग वाली मोहब्बत के लिए सरहद पार कर नोएडा आने वाली सीमा हैदर आए दिन सुर्खियों में बनी रहती है। कभी उनको लेकर सनसनीखेज दावे किये जाते हैं तो कभी मीडिया को इंटरव्यू देकर वो खुद लाइमलाइट बटोर लेती है। सीमा की प्रेग्नेंसी को लेकर कई बार बातें सामने आ चुकी हैं। मां बनने की बात पर सीमा ने नए साल के पहले दिन ही बड़ी बात कह दी है। सीमा हैदर ने एक इंटरव्यू में 2024 में नन्हे मेहमान के आने की जानकारी दी है। इंटरव्यू के मुताबिक सीमा हैदर साल 2024 में मां बनने वाली है। सचिन और परिजनों के सामने मीडिया से बात करते हुए सीमा ने प्रेग्नन्सी की खबर को कन्फर्म किया है। सचिन के पिता ने सीमा हैदर का हाथ देखकर दावा भी किया है कि एक लड़का होगा। इस बात की पुष्टि भी सीमा ने की है। रिपोर्टर के सवाल- क्या 2024 नई खुशियां लेकर आ रहा है ? इस पर सीमा ने जवाब दिया कि बिल्कुल नई खुशियां लेकर आएगा। सीमा ने कहा, 2023 भी बहुत खुशियां लेकर आया, मानती हूं थोड़ा बहुत दुःख हुआ। सचिन का बर्थडे भी नजदीक आ रहा है। अच्छा होगा कि किसी और का भी जन्म हो जाए। डिलीवरी की संभावित डेट को लेकर पूछे जाने पर सीमा ने थोड़ा इंतजार करने की बात कही है। इस पर जब रिपोर्टर ने पूछा कि होली के पहले या बाद तो सीमा ने कहा कि होली के पहले नहीं हो सकता लेकिन हां जल्द ही खुशखबरी सुनने को मिलेगी। गौरतलब हो, सीमा अपने साथ पाकिस्तान से अपने बच्चों को भी साथ लाई है। सीमा के चार बच्चे हैं जिनमें एक बेटा है जिसका नाम फरहान अली है, अब उसका नाम नाम बदलकर राज कर दिया है। उसकी उम्र 8 साल है। जबकि तीन बेटियां फरवा, (नाम बदलकर प्रियंका उम्र 6 वर्ष) फरिहा बतूल (नाम बदलकर मुन्नी 4 साल) कर दिया है और फरहा बतूल का नाम बदलकर परी कर दिया है।

नीतीश कुमार की दौलत में 13 गायें और दो अंगूठियां भी; एक साल में दोगुनी हो सीएम की संपत्ति

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने अलावा सरकार के सभी मंत्रियों की संपत्ति का ब्योरा 2023 के आखिरी दिन सार्वजनिक कर दिया। नीतीश कुमार की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक वह 1.64 करोड़ की दौलत के मालिक हैं। उनकी संपत्ति में 13 गाय और 10 बछड़े और बछिया भी शामिल हैं। इनकी कीमत 1.45 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा उनके पास 22,552 रुपये की नकदी है और अलग-अलग बैंक खातों में 49,202 रुपये जमा हैं। नीतीश कुमार और उनके मंत्रियों की संपत्ति की जानकारी कैबिनेट सचिवालय की वेबसाइट पर दी गई है। नीतीश कुमार के पास जो संपत्ति है, उसमें 11.32 लाख रुपये की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार है। वहीं दो सोने की और एक चांदी की अंगूठी भी है, जिनकी कीमत 1.28 लाख रुपये है। सीएम ने जो अपनी दौलत बताई है, उसमें व्यायाम के लिए एक ट्रेडमिल है। एक साइकिल और माइक्रोवेव ओवन है। नीतीश कुमार के पास दिल्ली के द्वारका में एक अपार्टमेंट भी है। इसे उन्होंने 13.78 लाख रुपये में 2004 में खरीदा था और फिलहाल इसकी कीमत उन्होंने 1.48 करोड़ रुपये बताई है। यह उनकी एकमात्र अचल संपत्ति है। बता दें कि नीतीश कुमार हर साल के आखिरी दिन अपनी संपत्ति का ब्योरा देते हैं। इससे पहले 2022 के आखिरी दिन नीतीश कुमार ने बताया था कि उनके पास कुल 75.53 लाख रुपये की दौलत है। अब यह 1.64 करोड़ है यानी नीतीश कुमार की संपत्ति एक साल के भीतर ही दोगुने से अधिक हो गई है। दोनों साल के ब्योरे का तुलनात्मक अध्ययन करें तो पता चलता है कि द्वारका स्थित घर की कीमत में आए बड़े उछाल के चलते नीतीश कुमार की दौलत में इजाफा हुआ है। नीतीश कुमार सरकार ने सभी मंत्रियों के लिए यह अनिवार्य किया है कि वे साल के अंत में अपनी संपत्ति का ब्योरा दें।

तेजस्वी और तेज प्रताप यादव के पास है कितनी दौलत

जानकारी के अनुसार बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव के पास 50,000 रुपये नकद हैं, जबकि उनकी पत्नी राजश्री के पास एक लाख रुपये नकद हैं। उपमुख्यमंत्री के बड़े भाई तेजप्रताप यादव के पास 98,562 रुपये नकद हैं। तेजप्रताप के पास करीब 3.58 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति भी है। इसके अलावा जिन अन्य मंत्रियों ने अपनी संपत्ति की घोषणा की है, उनमें सुमित कुमार सिंह (विज्ञान, प्रौद्योगिकी और तकनीकी शिक्षा विभाग), सुनील कुमार (मद्य निषेध, उत्पाद शुल्क और पंजीकरण विभाग), अनीता देवी (पिछड़ा वर्ग और अत्यंत पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग), जितेन्द्र कुमार राय (कला, संस्कृति एवं युवा विभाग), रत्नेश सादा (एससी/एसटी कल्याण विभाग), जयंत राज (लघु जल संसाधन विभाग), जमा खान (अल्पसंख्यक कल्याण विभाग), मुरारी प्रसाद गौतम (पंचायती राज), शमीम अहमद (विधि विभाग), शाहनवाज (आपदा प्रबंधन), संजय कुमार झा (जल संसाधन विभाग) शामिल हैं।

अयोध्या मंदिर के मुख्य पुजारी ने उद्धव ठाकरे और संजय राउत को लताड़ा

आचार्य सत्येंद्र दास ने संजय राउत के बयान पर भी सवाल उठाए। आचार्य ने कहा, संजय राउत इतने दर्द में हैं कि वह जाहिर भी नहीं कर सकते। ये ही थे, जो भगवान राम के नाम पर चुनाव लड़ते थे।

नई दिल्ली। शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे के बयान पर अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी ने नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि समारोह के न्योते सिर्फ राम भक्तों को ही भेजे गए हैं। इसके अलावा उन्होंने राज्यसभा सांसद संजय राउत पर भी निशाना साधा है और राम भगवान के अपमान के आरोप लगाए हैं। ठाकरे का कहना था कि उन्होंने राम मंदिर उद्घाटन समारोह का न्योता नहीं मिला है। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, न्योते केवल उन्हें ही भेजे गए हैं, जो भगवान राम के भक्त हैं। यह कहना पूरी तरह से गलत है कि भारतीय जनता पार्टी भगवान राम के नाम पर लड़ रही है। हमारे प्रधानमंत्री को हर जगह सम्मान मिल रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल में काफी काम किया है। यह राजनीति नहीं है। यह उनका समर्पण है। इस दौरान उन्होंने राउत के बयान पर भी सवाल उठाए। आचार्य ने कहा, संजय राउत इतने दर्द में हैं कि वह जाहिर भी नहीं कर सकते। ये ही थे, जो भगवान राम के

नाम पर चुनाव लड़ते थे। जो लोग भगवान राम में विश्वास करते हैं, सत्ता में हैं, ये कैसी बकवास कर रहे हैं? वह भगवान राम का अपमान कर रहे हैं। दरअसल, राउत ने कह दिया था कि अब भाजपा की तरफ से भगवान राम को अपना उम्मीदवार बनाना ही बचा है। राउत ने कहा था, प्रधानमंत्री कार्यालय और सरकार को अपना बेस अयोध्या में शिफ्ट कर देना चाहिए। वे सिर्फ राम के नाम पर वोट मांगेंगे, क्योंकि उन्होंने कुछ और नहीं किया है। उन्होंने कहा, बालासाहेब ठाकरे और हजारों शिवसैनिकों ने इसमें योगदान दिया है। 22 जनवरी को रामलला अयोध्या के नवनिर्मित मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं।

देश में नए साल का जश्न, गोवा-मुंबई और बैंगलुरु में रातभर पार्टी,

नई दिल्ली। नया साल 2024 शुरु हो गया है। लोग अपने परिवार और करीबियों को कॉल और मैसेज के जरिए नए साल की शुभकामनाएं दे रहे हैं। टूरिस्ट और पिकनिक स्पॉट के साथ धार्मिक स्थलों पर भी नए साल की धूम है। देशभर के मॉल, पब और क्लबों में 31 दिसंबर को रातभर पार्टी हुई। इस बार 30 और 31 दिसंबर को वीकेंड के अलावा 1 जनवरी को नया साल होने की वजह से 3 दिन की छुट्टियां हैं। गोवा में समुद्र के किनारे आतिशबाजी के बीच रात के 12 बजे लोगों ने नए साल का स्वागत किया। मुंबई, बेंगलुरु, दिल्ली, गुरुग्राम और कोलकाता जैसे शहरों में भी लोगों ने रातभर पार्टी की। शिमला, मनाली और गुलमर्ग जैसे टूरिस्ट स्पॉट पर लोग पहाड़, जंगल और बर्फ देखने के लिए पहुंचे। इसके चलते मनाली-शिमला में सभी होटल्स लगभग फुल है।

श्रीनगर के लाल चौक पर भी नए साल के स्वागत में भारी लोग उमड़े। प्रशासन के मुताबिक, ऐसा

नजारा पहले कभी नहीं देखा गया। घंटा घर पर पर्यटन विभाग ने म्यूजिकल प्रोग्राम का आयोजन किया था।

बेंगलुरु में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के चलते सड़कों पर लोगों की भारी भीड़ नजर आई। नए साल की रात में होटलों, रेस्टोरेंट में जश्न का माहौल रहा। लोग अपने परिवार, दोस्तों के साथ एन्जॉय करते नजर आए।

बेंगलुरु में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के चलते सड़कों पर लोगों की भारी भीड़ नजर आई। नए साल की रात में होटलों, रेस्टोरेंट में जश्न का माहौल रहा। लोग अपने परिवार, दोस्तों के साथ एन्जॉय करते नजर आए।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद श्रीनगर का लाल चौक भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन का सेंटर बन गया है। 31 दिसंबर को यहां बड़ी संख्या में लोग नए साल के स्वागत के लिए जुटे।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने के बाद श्रीनगर का लाल चौक भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन का सेंटर बन गया है। 31 दिसंबर को यहां बड़ी संख्या में लोग नए साल के स्वागत के लिए जुटे।

भारत में हिंदू नव वर्ष के अलावा अन्य धर्मों की अलग परम्पराएं

भारत में नया साल 5 बार मनाया जाता है। 1 जनवरी को ईसाई न्यू ईयर के अलावा हिंदू, पंजाबी, जैन और पारसी समुदाय अलग-अलग महीनों में नए साल का उत्सव मनाते हैं। चैत्र मास (मार्च-अप्रैल) की शुक्ल प्रतिपदा से हिंदू नववर्ष की शुरुआत मानी जाती है। इसी दिन से नए संवत्सर की शुरुआत भी होती है। इसे गुड़ी पड़वा, युगादी नामों से देश के विभिन्न राज्यों में मनाया जाता है। इसके अलावा पंजाब में नया साल बैसाखी (अप्रैल-मई) पर्व के रूप में मनाया जाता है। जैन समुदाय के लोग दीपावली के अगले दिन से नया साल मनाते हैं। इसे वीर निर्वाण संवत भी कहा जाता है। पारसी धर्म का नया साल अगस्त में नवरोज उत्सव के साथ शुरू होता है। इसके अलावा इस्लामिक कैलेंडर का नया साल मुहर्रम होता है, जो जुलाई से शुरू होता है।

झारखंड हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर को राजस्थान स्थानांतरित करने की सिफारिश

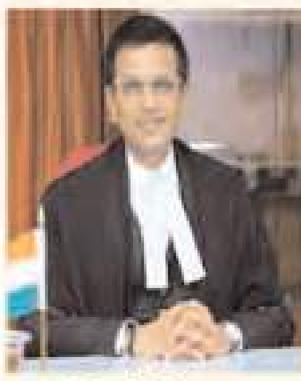

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम ने झारखंड उच्च न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री चन्द्रशेखर को राजस्थान उच्च न्यायालय स्थानांतरित करने की सिफारिश की है।

उच्चतम न्यायालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम ने न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर का अनुरोध स्वीकार करते हुए उनके स्थानांतरण की सिफारिश करने का फैसला लिया। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की सदस्यता वाली कॉलेजियम ने 29 दिसंबर की बैठक में यह फैसला लिया।

नए साल पर झारखंड में बड़ा हादसा, जमशेदपुर में पिकनिक मनाने जा रहे 6 लड़कों की मौत

जमशेदपुर। झारखंड में नए साल पर बड़ा हादसा हो गया। जमशेदपुर में सुबह बिष्टुपुर थाना अंतर्गत सर्किट हाउस गोल चक्कर के निकट हुई सड़क दुर्घटना में 6 युवकों की मौत हो गई। मृतकों में सभी की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच की है। सभी मृतक आदित्यपुर के बाबा आश्रम रोड नंबर 5 के निवासी थे।

सभी सुबह 5 बजे सूरज नामक युवक की कार पर सवार होकर पिकनिक मनाने के लिए निकले थे। कार सूरज चला रहा था और बिष्टुपुर गोल चक्कर के निकट अनियंत्रित होकर पहले कार गोल चक्कर से टकराई उसके बाद बिजली के खंभे से टकराते हुए पेड़ से टकरा गई। सुबह हुई दुर्घटना के बाद उस इलाके में अफरा तफरी मच गई। तत्काल ही मौके पर बिष्टुपुर पुलिस पहुंची। कार में लाश बुरी तरह फंसी हुई थी। किसी तरह उन्हें बाहर

निकाल कर टाटा मुख्य अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

इधर घटना की सूचना मिलते ही बाबा आश्रम से लोग पहले टाटा मुख्य अस्पताल पहुंचे जहां से सबको पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम मेडिकल कॉलेज लाया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सभी युवक आपस में दोस्त हैं और रात में कॉलोनी में ही लिट्टी पार्टी का आयोजन किया गया था। आयोजन के बाद अचानक इनमें पिकनिक की योजना बनी और सभी कार से निकल गए। कार पर 7 लोग सवार थे जिसमें एक का इलाज टीएमएच में चल रहा है।

शुभम कुमार झा पता बाबा आश्रम रोड नंबर 5 आदित्यपुर मूल रूप से बिहार के खगड़िया जिला के निवासी हैं। सुबह 5:00 ड्यूटी की बात कह कर वह घर से निकला था शुभम मल्टी टेक में कार्यकर्ता था। अनिकेत महतो उर्फ मोनू 3 महीना पहले टाटा मोटर्स में ट्रेनिंग में ड्यूटी पड़े थे अभी कंपनी ब्लॉक क्लोजर होने के चलते बंद था इसीलिए घर पर थे मूल रूप से बिहार के पटना जिला अंतर्गत मोकामा निवासी है।

सूरज कुमार साह 25 साल जो कर एक्सीडेंट है अपनी कार टाटा स्टील में उनकी गाड़ी चलती है। अन्य के परिवार वाले अभी नहीं आए हैं।

अरविंद केजरीवाल ने तय किया नए साल का टारगेट, लोकसभा के अलावा इस राज्य पर फोकस

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सियासी पार्टियों ने कमर कसनी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी (आप) विपक्षी दलों के गुट इंडिया अलायंस का एक अहम हिस्सा है। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी को जिन सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति मिलती है, वहां आप पूरे मन से चुनाव लड़ेगी। दिल्ली और पंजाब की सत्ता में आप पार्टी के आने के बाद केजरीवाल ने घोषणा की कि लोकसभा चुनावों के बाद उनकी पार्टी के लिए अगला बड़ा मुकाबला हरियाणा में होगा। केजरीवाल ने कहा कि मजबूत संगठन के बिना चुनाव नहीं जीता जा सकता, इसलिए अब हमें पूरे देश में संगठन खड़ा करना होगा।

हरियाणा विधानसभा चुनाव पर पार्टी का फोकस

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, आम आदमी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। हमें जो भी सीटें मिलेंगी, हम चुनाव लड़ेंगे और सभी सीटें जीतेंगे। अरविंद केजरीवाल ने हरियाणा के विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियों का भी जिक्र किया। बता दें इस साल लोकसभा चुनाव के बाद हरियाणा में विधानसभा

चुनाव होंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 10 साल में हमने राष्ट्रीय राजनीति में प्रभावी प्रभाव डाला है, पहली बार विपक्षी दलों को स्कूल-अस्पताल का काम करने पर मजबूर होना पड़ा। इन लोगों ने हमारा गारंटीशब्द चुरा लिया है। उन्होंने गारंटी तो दी, लेकिन किसी ने उन्हें पूरा नहीं किया, क्योंकि उनकी मंशा ठीक नहीं है, जबकि हम अपनी सभी गारंटी पूरी कर रहे हैं।

जेल में बंद 5 नेता हमारे हीरो- अरविंद केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी पार्टी के जो पांच नेता जेल में हैं, वे हमारे हीरो हैं। उन्होंने कहा, हमें उन सभी पर गर्व है। अगर बच्चों को अच्छी शिक्षा और गरीबों को मुफ्त इलाज देने के लिए हमें जेल जाना पड़ेगा तो हमें इसके लिए तैयार रहना होगा।- आप की 12वीं राष्ट्रीय परिषद की बैठक में अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आप ने 12 वर्षों में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। उन्होंने कहा, हमने वह कर दिखाया जो दूसरी पार्टियां 75 साल में नहीं कर सकीं। हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, महंगाई और रोजगार की बात की, जो किसी पार्टी ने नहीं की।

केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में आप सरकार के पिछले दो साल के काम से पता चलता है कि पार्टी काम को कितना सीरियस लेती है। उन्होंने कहा,पंजाब सरकार ने 1080 करोड़ रुपये में निजी थर्मल पावर प्लांट खरीदा है, ऐसा भारत के इतिहास में पहली बार हुआ है। दो साल में 650 मोहल्ला क्लीनिक काम कर रहे हैं और जनवरी में इनकी संख्या बढ़कर 750 हो जाएगी। पंजाब ने तीर्थयात्रियों के लिए हवाई जहाज बुक किए हैं, अब गरीब लोग भी हवाई जहाज से पटना साहिब, वाराणसी और नांदेड़ जाएंगे।

प्रभात खबर के प्रधान संपादक को धमकी पर एनयूजेआई ने सरकार से की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के अध्यक्ष रास बिहारी ने हिन्दी दैनिक प्रभात खबर के प्रधान संपादक आशुतोष चतुर्वेदी को शराब माफिया द्वारा दी गई धमकी पर गहरी चिंता जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि रांची के होटवार जेल से फोन करके प्रमुख हिन्दी दैनिक के प्रधान संपादक को धमकी देने से झारखंड सरकार पर भी सवाल उठते हैं। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले को भारतीय प्रेस परिषद में भी उठाया जाएगा।

एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने इस पूरी घटना पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जेल के फोन नंबर से धमकी देना सीधे तौर पर राज्य सरकार की कार्यशैली पर गहरा प्रश्न चिह्न उठाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी संरक्षण की वजह से अपराधियों और माफिया के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने बताया कि 29 दिसंबर, 2023 को प्रभात खबर के मुख्य संपादक आशुतोष चतुर्वेदी को योगेंद्र तिवारी नाम के एक माफिया द्वारा धमकियां दी गईं। कॉल करने वालों के बारे में पूछताछ करने पर अजीबो-गरीब तथ्य मिले। माफिया द्वारा वरिष्ठ पत्रकार को धमकी देने के लिए इस्तेमाल किये गये नंबरों (0612-2911807, 2911805, 2911806, 227002) के तार रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल से जुड़े मिले। इसकी शिकायत उसी दिन पुलिस आयुक्त के समक्ष दर्ज करायी गयी। जेल से धमकी देने की जानकारी डीजीपी झारखंड, गृह सचिव, झारखंड सरकार और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों दी गई।

दिल्ली के रोहिणी में पैथ लैब की इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के रोहिणी में एक पैथोलॉजी लैब में रविवार देर रात भीषण आग लग गयी। अग्निशमन विभाग ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि आग एक इमारत की तीसरी और चौथी मंजिल पर लगी, जहां पैथोलॉजी लैब है। उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना विभाग को रात करीब 12:45 बजे मिली।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, ''कुल 10 दमकल गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। आग को पूरी तरह से बुझाने में दो घंटे से अधिक समय लगा। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।' उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

पत्नी की हत्या कर पति ने दी जान, कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदा युवक

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदकर एक शख्स ने आत्महत्या कर ली है। प्लेटफार्म से कूदने वाले शख्स की नीचे गिरते ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गौरव शर्मा निवासी आगरा के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही गुरुग्राम में पत्नी की हत्या करके वह फरार हो गया था। गौरव ने आज सुबह करीब 10:30 बजे कौशांबी के प्लेटफार्म नंबर एक से नीचे छलांग लगा दी, जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गौरव मूलत आगरे का रहने वाला था। वह अपनी पत्नी और डेढ़ साल के बच्चे के साथ गुड़गांव रहता था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और फरार था। पुलिस ने गौरव के परिजनों को सूचना दी और गौरव के परिजन कौशांबी थाने पहुंच चुके हैं। गुड़गांव पुलिस भी गाजियाबाद पुलिस से संपर्क कर रही है। तेज धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या गुरुग्राम के डीएलएफ क्षेत्र में रहने वाले गौरव पर तेज धारदार हथियार से पत्नी की हत्या का आरोप था। महिला के शव के साथ दो साल का बच्चा भी रोता रहा। छह महीने पहले ही परिवार डीएलएफ फेज तीन के एस ब्लॉक में रहने के लिए आया था। महिला के शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान पाए गए हैं। उसके मोबाइल फोन को टॉयलेट सीट में डाल दिया गया।

ठंड के बावजूद कम नहीं हुआ दिल्ली में लोगों का उत्साह, मंदिरों में नव वर्ष की पहली आरती

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत में दिल्लीवाले कल देर रात तक जमकर थिरके। राजधानी के कई बड़े होटलों, रेस्त्रां व बार में नए साल का जश्न लंबा चला। आज नए साल के पहले दिन राजधानी के कई बड़े मंदिरों मे सवेरे की आरती के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचे हैं।

कनॉट प्लेस, इंडिया गेट समेत सभी बड़े बाजारों व पर्यटक स्थलों पर लोगों का हुजूम देखते ही बना। इसी तरह विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी नए साल का स्वागत भजनों व अपने-अपने तरीके से किया गया। दोपहर बाद से ही पुलिस कनॉट प्लेस आने वाले सभी प्रमुख मार्गों और अन्य पॉश इलाकों में जगह-जगह बैरीकेडिंग कर आने-जाने वाले चालकों की तलाशी लेती दिखी। किसी भी स्थान पर लोगों को भीड़ के रूप में इकट्ठा नहीं होने दिया जा रहा है।देर रात तक पुलिस के आला अधिकारी भी सड़कों पर गश्त करते दिखाई दे रहे हैं। हमेशा की तरह कुछ युवाओं की टोलियों ने बाइक और कार में

सवार होकर सड़कों पर जश्न मना रहे हैं। कुछ लोगों ने इंडिया गेट पर केक की तैयारियों में जुटे हैं।

कोरोना के नए वेरिएंट के कारण सुरक्षा निर्देशों का पालन करते हुए कुछ लोगों ने घर में अपने परिवार के साथ म्यूजिकल पार्टी का आयोजन किया। हालांकि कई लोग इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए होटल और रेस्त्रां विशेष डिनर करने बाहर भी निकले हैं, लेकिन इनकी संख्या कम रही। इंद्रपुरी निवासी राम नरेश ने बताया कि हर साल न्यू ईयर पार्टी बाहर अपने दोस्तों के साथ मनाते थे, लेकिन इस बार वह अपने परिवार के साथ दोस्तों को घर बुलाकर ही पार्टी कर रहे। उन्होंने बताया कि सारी तैयारियां हो गई है, घर में ही कई प्रकार के व्यंजन तैयार कर रहे हैं। इंटरनेट के युग में नए वर्ष को लेकर बधाई देने में देर नहीं लगती। यही वजह है कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर शाम ढलते ही बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। एक-दूसरे को मैसेज कर नववर्ष में बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

दिल्ली में 'बेहद खराब' हवा के बीच 2024 का स्वागत, 10.1 डिग्री सेल्सियस तापमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस समय के औसत से तीन डिग्री अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी में हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हुई। यात्रियों और सुबह जल्दी उठने वालों को अलग-अलग स्तर की कम विजिबिलिटी का अनुभव हुआ, सुबह 7 बजे के आसपास सफदरजंग में सबसे कम विजिबिलिटी 700 मीटर दर्ज की गई। इस बीच, पालम में 1,100 मीटर की थोड़ी बेहतर विजिबिलिटी थी। भारतीय रेलवे के मुताबिक, खराब विजिबिलिटी के कारण मुंबई-फिरोजपुर, बेंगलुरु-निजामुद्दीन राजधानी, हैदराबाद-नई दिल्ली समेत 21 ट्रेनें घंटों की देरी से चलीं। हालांकि, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार में हवा की गुणवत्ता पीएम 2.5 का स्तर 331 और पीएम 10 का स्तर 236 के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में प्रवेश कर गई, जबकि एनओ2 का स्तर 54 पर पहुंच गया और सीओ 74 यानी 'संतोषजनक' पर था।बवाना स्टेशन ने पीएम 2.5 को 325 पर दर्ज किया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था, जबकि पीएम 10 का स्तर 195 पर पहुंच गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि सीओ 50 यानी 'अच्छे' स्तर पर पहुंच गया। द्वारका सेक्टर 8 में एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन में पीएम 2.5 को 373 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि पीएम 10 को 262 या 'खराब' पर दर्ज किया गया, जबकि सीओ 46 पर, 'अच्छे' स्तर पर था।

आईटीओ स्टेशन पर एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में था, पीएम 2.5 का स्तर 316 पर और पीएम 10 का स्तर 172 पर, 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि सीओ 41 पर, 'अच्छे' स्तर पर था। ओखला फेज-2 में पीएम 2.5 का स्तर 332 पर, 'बहुत खराब' श्रेणी में और पीएम 10 202 पर, 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया।

उभरते गतिशील भारत के लिए बच्चे सबसे मूल्यवान, वो सर्वोच्च सुरक्षित वातावरण के हकदार; दिल्ली हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। , नई दिल्ली। एक गुमशुदा बच्चे के पिता की याचिका पर अहम टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि अपहरण व मानव तस्करी के शिकार होने वाले बच्चों को जल्द तलाशने के सर्वोच्च प्राथमिकता पर सभी एजेंसियों व जांच अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने की जरूरत है। अदालत ने कहा कि इस तरह के प्रयास किए जाने की जरूरत है कि न सिर्फ बच्चों को जल्द से जल्द तलाश किया जाए बल्कि अपराधियों को सजा भी दिलाई जा सके। अदालत ने कहा कि निश्चित तौर पर याचिकाकर्ता पिता को उसकी बेटी सौभाग्य से वापस मिल गई, लेकिन इसके लिए उन्हें कठिनाइयों और तनाव का सामना करना पड़ा, क्योंकि दिल्ली पुलिस की ओर से मामले में समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामले में साक्ष्य न मिलने से खत्म हो जाएगी न्याय की उम्मीद- दिल्ली हाईकोर्ट

अदालत ने पाया कि जांच अधिकारियों को बच्चों की गुमशुदगी से जुड़े ऐसे मामलों की जांच करते समय कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में इस संबंध में जरूरी मानक दिशानिर्देश जाते हैं।

दूतावास के पास मिले प्लास्टिक के फूल से गहराया रहस्य, देसी बम से किया गया था धमाका

नई दिल्ली। इस्राइल दूतावास के पास देसी बम से हुए धमाके की जांच घटनास्थल से मिले प्लास्टिक के फूल से रहस्यमयी हो गई है। इसके अलावा पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि आरोपी ने रेकी कर बम विस्फोट की वारदात को अंजाम दिया है और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए आने-जाने के लिए कई ऑटो व अन्य साधनों का इस्तेमाल किया है। एनएसजी को मौके पर देसी बम से विस्फोट होने के पूरे सबूत मिले हैं।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि रात होने की वजह से दिल्ली पुलिस को मौके से शुरुआती जांच में अंधेरा होने की वजह से देसी बम के सबूत नहीं मिले थे। अगले दिन एनएसजी व एनआईए की टीमें फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचीं तो देसी बम होने के पूरे सबूत मिले हैं।

एनएसजी व दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच में ये लग रहा है कि आरोपी ने देसी बम झाड़ियों में फोड़ा हुआ है। इस

कारण झाड़ियों से काफी पत्ते नीचे गिरे हैं। एनएसजी व स्पेशल सेल की टीम ने मौके से काफी मात्रा में पत्ते उठाए हैं। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि जांच की जा रही है कि ये पत्ते नीचे कैसे गिरे हैं। इस बात की भी जांच की जा रही है कि इन पत्तियों में बम विस्फोट के नमूने या फिर कोई केमिकल तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौके से प्लास्टिक के फूल मिलने का रहस्य काफी गहराया है। पुलिस अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आखिर बम विस्फोट वाली जगह पर प्लास्टिक के फूल क्यों हैं। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 35 ऑटो चालकों को स्पेशल सेल के कार्यालय बुलाया था। इन ऑटो चालकों से भी किसी और संदिग्ध या आरोपी के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

इंडिया गेट पर गायब हो गया नीली जैकेट वाला

जामिया नगर का नीली जैकेट वाला संदिग्ध युवक बम विस्फोट वाली जगह से ऑटो लेकर इंडिया गेट गया था। इंडिया गेट पर ये संदिग्ध कैद हुआ है। सीसीटीवी कैमरे खराब होने से ये पता नहीं लग रहा है कि ये संदिग्ध इंडिया गेट से कहां गया है। स्पेशल सेल अब इंडिया गेट के पास से गुजरने वाले सभी ऑटो का जीपीआरएस से डेटा ले रही है। जीपीआरएस से पता लगाया जाएगा कि आरोपी ऑटो लेकर आगे कहां गया है।

नोएडा में 28 करोड़ से ज्यादा की रकम बैंक से ट्रांसफर करने के मामले की जांच अब क्राइम ब्रांच करेगी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 22 में बने साउथ इंडियन बैंक के सहायक प्रबंधक ने अपनी मां और पत्नी समेत कई अलग-अलग खातों में 28 करोड़ से ज्यादा की रकम ट्रांसफर की और परिवार समेत फरार हो गया। इस मामले की जांच अब जिले की क्राइम ब्रांच पुलिस करेगी। अभी तक इस मामले की जांच नोएडा के सेक्टर 24 थाना पुलिस कर रही थी। इस मामले में पुलिस अब तक 90 अकाउंट फ्रीज कर चुकी है। करोड़ों की धोखाधड़ी और गबन के मामले में संबंधित बैंक के डीजीएम रिजनल ने सहायक प्रबंधक, उसकी मां और पत्नी समेत अज्ञात के खिलाफ सेक्टर-24 थाने में बीते दिनों केस दर्ज कराया था। शिकायत में रैनजीत आर नायक ने बताया था कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से सेक्टर-22 स्थित शाखा से गड़बड़ी की शिकायत मिल रही थी। जिस पर विभाग ने अपनी विजिलेंस टीम से यहां की जांच कराई। जांच में पता चला कि सेक्टर-48 स्थित एसोसिएट इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च फाउंडेशन नामक कंपनी के खाते से सहायक बैंक प्रबंधक राहुल शर्मा ने 28.07 करोड़ रुपए पत्नी भूमिका शर्मा और मां सीमा समेत अन्य के खातों में ट्रांसफर कर कंपनी व बैंक के साथ धोखाधड़ी की है।

इंद्रेश कुमार बोले- 22 जनवरी को मस्जिद-मदरसों में करें देश की प्रगति के लिए इबादत, सभी का डीएनए एक

नई दिल्ली। आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने अपील की कि 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से दिन के एक बजे तक जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो, दरगाहों, मदरसों, मकतबों, मस्जिदों में देश की उन्नति, प्रगति, सौहार्द के लिए इबादत करें।

शाम को इन स्थानों पर चिराग रोशन करें। इंद्रेश कुमार रविवार को आकाशवाणी के रंगभवन में 'राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर-एक साझी विरासतः कुछ अनसुनी बातें'पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सभी का डीएनए एक है। सभी राम के हैं। नेकां नेता फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि राम हिंदुओं के ही नहीं, हमारे भी हैं। हमने कब इनकार किया है। फारूक आइएनडीआइए को समझाते क्यों नहीं कि इबादत के लिए न्योते की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता छह दिन से 15 दिनों तक पदयात्रा कर अयोध्या पहुंचेंगे।

राम की भारत को आवश्यकताः आरिफ मोहम्मद खान

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम राम की भारत को आवश्यकता है। आने वाली नस्लों को चरित्र निर्माण के लिए राम को समझना और समझाना जरूरी है।

कहा, मनुष्य सामाजिक प्राणी भर नहीं, उसकी महत्वकांक्षाएं भी हैं। अगर उसके पास आदर्श नहीं है, तो यह बेलगाम हो जाती हैं। इसके चलते संस्कृतियां खराब हुईं। उन्होंने कहा, जी-20 के जरिये हमने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीएचपी के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राममंदिर आंदोलन कभी भी मुसलमानों के विरोध में नहीं था।

विशिष्ट अतिथि राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा, राम भारत की एकता का प्रतीक हैं, उन्होंने सिर्फ सेतु निर्माण नहीं किया था, अपने वनवास के दौरान सभी जनजातियों और लोगों को भी जोड़ा था। इससे पहले पुस्तक की लेखिका गीता सिंह और आरिफ खान भारती ने पुस्तक की सामग्री पर विस्तार से चर्चा की।

नोएडा में पुलिस की जीप में पिकअप ने मारी टक्कर, दरोगा की मौत

नोएडा। थाना फेस-वन में तैनात उप निरीक्षक बीती रात को कानून व्यवस्था के मद्देनजर सरकारी जीप पर सवार होकर गश्त कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल दरोगा को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर आज सुबह उनकी मौत हो गई है। इस घटना के चलते पुलिस विभाग में शोक की लहर फैल गई है।पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने बताया कि उपनिरीक्षक रामकिशोर शर्मा पुत्र वेद प्रकाश शर्मा निवासी ग्राम दशरथपुर थाना दौराला जनपद मेरठ उम्र 54 वर्ष थाना फेस-वन में तैनात थे। उन्होंने बताया कि बीती रात को वह थाने की सरकारी गाड़ी थार मोबाइल पर सवार होकर देर रात को सेक्टर-2 में गश्त कर रहे थे, तभी सेक्टर-दो चौराहे पर एक पिकअप गाड़ी के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए पुलिस की जीप में टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उप निरीक्षक रामकिशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

लोक सेना हिंद ने जन लोकपाल विधेयक पर केजरीवाल को घेरा

नई दिल्ली। लोक सेना हिंद के अध्यक्ष डॉ. मुनीश रायजादा ने आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जन लोकपाल विधेयक को लेकर बड़ा हमला किया है। अन्ना हजारे के आंदोलन में केजरीवाल व अन्य के साथ सक्रिय हिस्सा लेने वाले डॉ. रायजादा कभी आम आदमी पार्टी के मजबूत समर्थक रहे हैं। डॉ. रायजादा के नेतृत्व में लोक सेना हिंद ने राजीव चौक में मेट्रो के गेट नंबर छह के बाहर

शाम तक जन लोकपाल विधेयक की बरसी मनाई। डॉ. रायजादा ने दिल्ली के मुद्दों को फलक पर लाने के लिए राजनीतिक दल के रूप में लोक सेना हिंद का गठन किया है। राजीव चौक में यह कार्यक्रम आम लोगों के बीच कौतूहल का विषय रहा। डॉ. रायजादा का कहना है कि केजरीवाल ने 2013 में रामलीला मैदान में अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान यह वचन दिया था कि अगर आम आदमी पार्टी की सरकार सत्ता में आई तो जन लोकपाल विधेयक को पास कर उसका क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को सत्ता में आए नौ वर्ष से अधिक का समय हो चुका है लेकिन उन्होंने इस विधेयक की सुध नहीं ली है। उसे पास करना तो दूर केजरीवाल ने अब इसके बारे में बात करना भी बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोक सेना हिंद जन लोकपाल विधेयक के प्रति अक्षमता को जनसमर्थन का गंभीर उल्लंघन मानती है। दिल्ली के नागरिकों को अरविंद केजरीवाल ने धोखा दिया है। वह कहते हैं कि अगर दिल्ली में लोक सेना हिंद की सरकार बनती है तो जन लोकपाल विधेयक को लागू किया जाएगा।

सेहतमंद रहने के लिए जीवन शैली में सुधार, स्वास्थ्य जांच है जरूरी: विष्णु मित्तल

नई दिल्ली। भाजपा की ओर से जारी मंडल स्तर पर स्वास्थ्य शिविर की श्रंखला में मयूर विहार फेज-1 में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में भी अच्छे स्वास्थ्य पर जोर दिया है और अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि समय पर जांच

हो, जीवन शैली में सुधार किया जाए। निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग बस के अयोजन में निगम पार्षद रेणु चौधरी, मयूर विहार जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष रामचरण गुजराती ,तेजपाल सिंह , जिला मंत्री जितेंद्र डेढ़ा , पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश कपूर , अजय गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और बड़ी संख्या में लोगों ने कैंप में पहुंचकर स्वास्थ्य की जांच कराई। इस मौके पर लोगों को आँख और कान के उपकरण भी दिये गये।

संपादक की कलम से

भारत का खजाना भरते सात समंदर पार बसे भारतीय

अपने वतन से सात समंदर दूर कामकाज के लिए गए भारतीयों ने देश के खजाने को लबालब भर दिया है। उन्होंने चालू साल 125 बिलियन डॉलर यानी करीब 136 अरब रुपये भारत में भेजे। विश्व बैंक की हाल ही में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत से बाहर रहने वाले लाखों भारतीयों ने साल 2022 की तुलना में 11 फीसद अधिक धन चालू साल में स्वदेश भेजकर अपने देश से प्रेम का सशक्त परिचय.दिया।

भारत के बाद मेक्सिको और चीन को अपने देशवासियों से पैसा मिला। हालांकि, भारत की तुलना में इन दोनों देशों को अपनी आबादी के अनुपात में बहुत कम धन मिला। मेक्सिकों को 67 बिलियन और चीन को मात्र 50 बिलियन डॉलर मिले। बात बहुत साफ है कि संसार के कोने-कोने में रहने वाले भारतीयों ने अपने देश के खजाने को अपने धन से लबालब भर दिया है। यह उनकी अपनी मातृभूमि के प्रति अद्भुत प्रेम दशार्ता है क भारतीय संसार के किसी भी भाग में चल जाएं पर उनकी पहचान भारतीय के रूप में ही होती है। उन्हें भारत से बाहर बसने के सालों, दशकों तो छोड़िए, कई पीढ़ियों के बाद भी भारतीय ही माना जाता है। भारतीय अफ्रीका, कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन त्रिनिदाद, गुआना, मारीशस,फिजी आदि देशों में बसने के बाद भी अपने को भारत से कभी दूर नहीं कर पाते। भारतीय अपने खानपान तथा वेशभूषा के स्तर पर भी सदा भारतीय ही बने रहते हैं। दिवाली और होली, रक्षा बंधन, छठ, करवा चौथ, नवरात्र, शादी समारोह आदि अवसरों पर भारतीय महिलाएं आमतौर पर साड़ी ही पहनती हैं। इनके घरों में ज्यादातर भारतीय व्यंजन ही पकते हैं। लेकिन, ये जिस देश में भी जाकर बसे वहां की भाषा, खानपान और वेशभूषा को भी आसानी से अपना लेते हैं। आप रविवार को किसी भी चर्च में जाकर देख लें। वहां पर आपको साड़ी पहन कर आईं मसीही स्त्रियां मिलेंगी। यही दृश्य मंदिरों में भी मिलेगा क यानी वेश-भूषा हरेक भारतीय की एक जैसी ही है।

आपको भारतीय खाड़ी के देशों के कठिन हालातों से लेकर अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और यूरोप के तमाम देशों में आई टी सेक्टर से लेकर तमाम दूसरे कामों को करते हुए मिलेंगे। चूंकि आमतौर पर भारतीय मितव्ययी होते हैं, इसलिए वे कमाकर पैसा अपने देश भेज देते हैं। जाहिर है, उनके भेजे धन से देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। तो कहना होगा कि भारत की मजबूत आर्थिक सेहत के लिए हमारे उन अनाम भारतीयों का भी कम बड़ा योगदान नहीं है जो हर साल भारत में पैसा भेजते हैं। हालांकि आमतौर पर मीडिया में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा या केन्या के हॉकी के महान खिलाड़ी अवतार सिंह सोहल जैसों की ही चर्चा होती है।

बेशक, भारत के बाहर बसे सारे भारतीय ही सही माने में हमारे ब्रांड एंबेसेडर भी हैं। इनकी वजह से ही विदेशी मूल के परिवारों में भारत के प्रति और भारतीय रस्म रिवाजों के प्रति झुकाव बढ़ता चला जा रहा है क कल रात मैं दिल्ली में छतरपुर के पास एक विवाह समारोह में गया क लड़का बंगाली है और लड़की आयरिश क लेकिन जब वर-वधु मेरा पैर छूने आये तो साड़ी-गहनों में सजी सिंदूर से मांग भरी लडकी को देखता ही रह गया क मजे की बात तो यह रही की आयरिश दुल्हन को आयरलैंड से आये हुये उनके पिता और लड़की के दो बड़े भाई मुझसे मिलवाने को ले आये क इसी तरह पिछले माह मुझे एक बिहारी लड़के की शादी में आमंत्रित किया गया था जो कि एक आस्ट्रिया की लड़की से शादी कर रहा था क ये सब भारतीयों के प्रति आकर्षण दशार्ती हैं क इन प्रवासी भारतवंशियों के हितों को लेकर केन्द्र और राज्य सरकारों को भी हमेशा नई-नई योजनाओं को लाते रहना चाहिए। उन्हें उनके निवेश पर बेहतर रिटर्न भी दिया जाये, ताकि वे अधिक से अधिक धन देश में भेजते रहें। जिस मुल्क का विदेशी मुद्रा भंडार भरा होता है, वह उतनी ही तेजी से प्रगति की राह पर बढ़ता है।

असली बात यह है कि देश में पैसा आना चाहिए। पैसा चाहे अमेरिका की सिलिकॉन वैली में काम करने वाले भारतीय आई टी इंजीनियर भेज रहे हों या फिर दुबई या खाड़ी के किसी भाग में काम करने वाले कुशल-अकुशल मजदूर। भारत में धन की आवक अमेरिका से लेकर खाड़ी देशों में बसे हुए भारतीयों की मार्फत खूब हो रही है।

विकास बिना संस्कार, विनाश का आधार!

संघ और भाजपा की विकास नीति सफल हो रही है यह देख कर आनंद होता है। इस से गांधीवादी , रामराज्यवादी , कौटिल्यवादी, जेपीभक्त, और हिन्दुवादी ये सभी फूले नहीं समा रहे है। कांग्रेसी, कौम्युनिस्ट, और अत्याधुनिक वोकवादी लूटे पिटे से फिर रहे हैं। भविष्य में विश्व गुरु भारत का वसुधैव कुटुंब साकार होता लगता है।

कोई शक?

यस सर।

भीषण विकास अमरीका में हुआ। सन् पचास से। आज अमरीका कहाँ है? ऋण के कूप में !!!

हर प्रकार का ऋण , केवल आर्थिक ही नहीं !! उन मौलिक जातियों का , प्रवासी जातियों का, और बौद्धिक संस्कृतियों का, जिन्होंने अमरीकी राष्ट्र का निर्माण किया। ऋण चुकाने की बजाए अमरीकी सत्ता की नीति ऋण दाताओं को दमन या युद्ध से दुर्बल करने की है जिसका परिणाम आत्मघात है। चीन भी लगभग उसी प्रक्रिया का शिकार है।

क्या यह सब देख कर भारत के कर्णधारों की आँखें नहीं खुल जानी चाहिए?

अमरीका-यूरोप ने ग्रीक सिद्धांत, अति का वर्जन करो और सुख को उत्कृष्ट मानसिकता बनाओ (यूदाईमोनिया) की अनदेखी करी। चीन ने कॉन्फ़्यूशस की मध्यमता सिद्धांत को त्याग मारक्षवाद का सहारा लिया। आज वह एक अविश्वसनीय पहलवान बन गया है।

तो भारत के लिए विकास गर्त से बचने का क्या मार्ग है ?

उस भूल को न करना जो पश्चिम और चीन में हुई। कौनसी? अपने मौलिक सांस्कृतिक मूल्यों का अवमान।

संस्कार केवल सम्मेलनों से , मैकाले मर्दन से, नेहरू परिवार निंदा से , विदेशी कुचालक एजेंटों को चिह्नित करने से
, या कितने ही पूर्वपक्ष और शत्रुबोध कराने वाले सेमीनार सत्रों से नहीं बन जाते !!

उनके लिए गुरुकुल, दर्शन, साहित्य , नाट्य, नृत्य, संगीत, और अनन्य शिल्प और कलाओं की संस्थाओं की स्थापना करनी पड़ती है और उन्हें मंदिरों और मठों से जोड़ना पड़ता है। जिस विश्वगुरु भारत का हम स्मरण करते हैं उसका ये संस्थाएँ ही आधार थीं !!!

सांस्कृतिक संस्थाओं की उपेक्षा , उनको राष्ट्रीय स्तर की पहचान न बनाना , शिल्पी व कलाकारों को संरक्षण न देना , उनको शिष्य निष्पादन के समर्थ न बनाना , ये ही पिछले १५ वर्षीय भाजपा शासन की पहचान रहे हैं। कांग्रेस के उपनिवेश वादी व्यवहार ने कला और संस्कार को ध्वस्त क्यों किया यह तो समझने में आता है, लेकिन
सांस्कृतिक राष्ट्र वाद वाली पार्टी से यह उपेक्षा कैसी हुई यह समझना मुश्किल है।

भूल सुधार करने का क्या संकल्प है, इसके भी मात्र आश्वासन हैं कोई ठोस योजना प्रकाशित नहीं।

अंत में हताश होकर वह ही उक्ति याद करनी पड़ती है

यों काशी में आते अब गोवा से भी ज्यादा पर्यटक

आर.के. सिन्हा

अगर कोई यह मानता है कि सबसे अधिक टुरिस्ट समुद्र के किनारे के तटों पर या फिर आकाश को छूते पहाड़ों में सैर करने को आते हैं तो उन्हें एक बार फिर सोचना होगा। मतलब यह है कि अब न तो सबसे अधिक टूरिस्ट गोवा आ रहे हैं या फिर शिमला, नैनीताल या कश्मीर या हिमाचल किसी अन्य हिल स्टेशन पर। आज के दिन सबसे ज्यादा टूरिस्ट को अपनी तरफ आकर्षित करने लगा है वाराणसी। आईसीआईसीआई के एक सर्वे से पता चला है कि पिछले साल-2022 में वाराणसी में 7.02 करोड़ टुरिस्ट पहुंचे। गोवा के हिस्से में लगभग मात्र 85 लाख टूरिस्ट । यूं तो वाराणसी में लगातार खूब टूरिस्ट पहले से ही आते थे पर 2015 के बाद तो स्थिति वाराणसी के पक्ष में पूरी तरह से पलट गई। इस लिहाज से गेम चेंजर साबित हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे (अब स्मृति शेष) का धर्म नगरी वाराणसी के दशाश्वमेध घाट पर गंगा आरती में 2015 में भाग लेना। गंगा सिर्फ एक नदी नहीं, हमारी भारतीय सनातन संस्कृति की वाहक भी है। इस लिहाज से जापान के प्रधानमंत्री के स्वागत में काशी में गंगा आरती का आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौलिक और व्यापक सोच का परिचय देने वाला था। गंगा आरती महज एक पूजाविधि नहीं है। मोदी-आबे ने गंगा आरती मे भाग लेकर दुनिया में भारत की खोई हुई या यूं कहें कि तिरस्कृत का दिये गये सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ने अपनी जगह बनाई थी। बीते 60 सालों की राजनैतिक सत्ता ने इस छवि को नजरअंदाज कर एक उपभोगी देश की छवि के रूप में भारत को दुनिया के सामने पेश किया था क संस्कृति के नाम पर ताज के मकबरे को ही खूब भुनाने की कोशिश की गयी । लेकिन, गंगा की ह्यब्रांडिंगह्ल तो सही माने में भारत के लिए आत्मगौरव का क्षण था। टूरिज्म क्षेत्र के जानकार कहते हैं कि

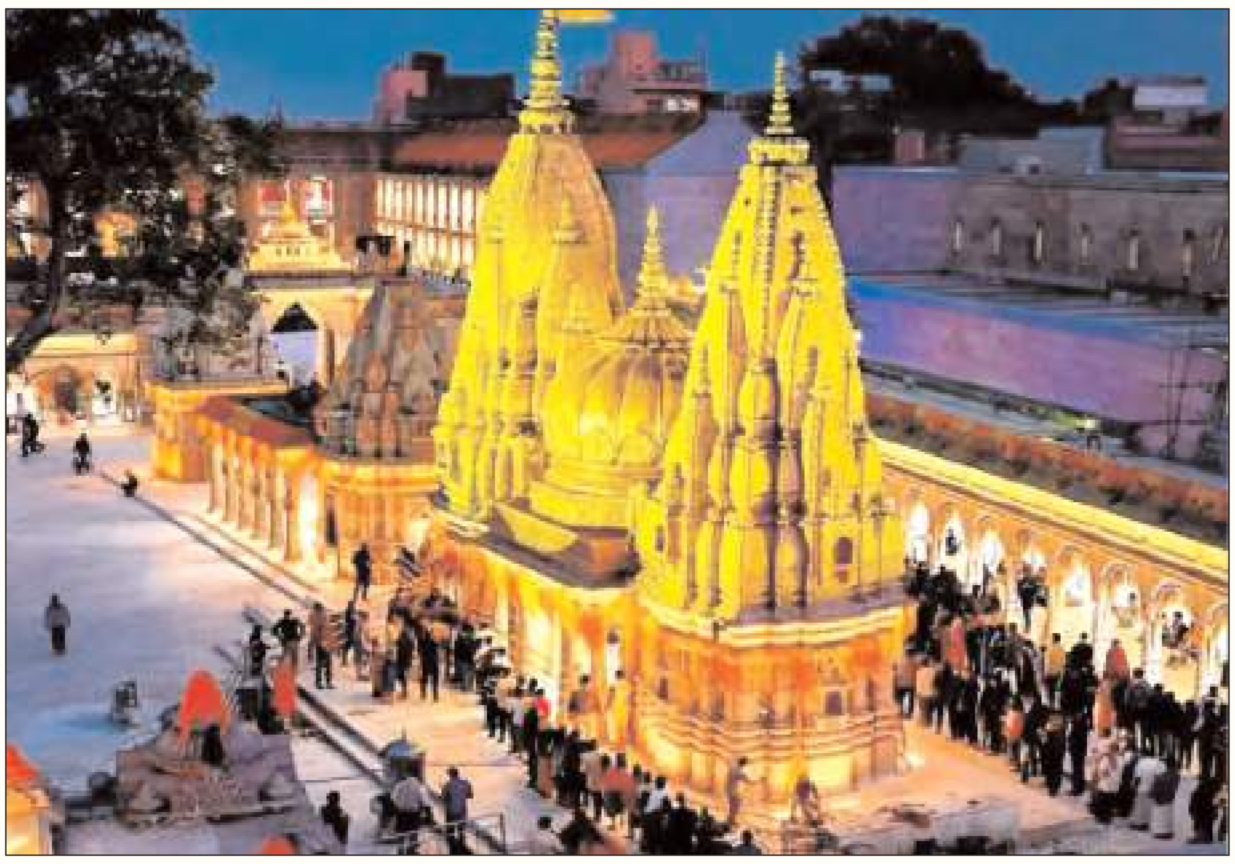

प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री आबे के गंगा आरती में भाग लेने के बाद सारे देश में वाराणसी को लेकर एक नई तरह की सकारात्मक सोच विकसित होने लगी। इसी का नतीजा है कि वाराणसी में देश-दुनिया के टुरिस्ट पहले से कहीं अधिक संख्या में पहुंचने लगे । वाराणसी के चाहुमुर्खी विकास ने पर्यटकों को भरपूर आकर्षित किया क

काशी का गोवा को पीछे छोड़ना सामान्य बात नहीं है। आमतौर पर तो यही माना जाता था कि गोवा से ज्यादा टूरिस्ट कहीं जा ही नहीं सकते। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के उद्घाटन के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि यह कॉरिडोर सिर्फ एक भव्य इमारत नहीं है, बल्कि; यह हमारी आध्यात्मिक, परंपरा और गतिशीलता का प्रतीक है। यही नहीं यह काशी की आर्थिक समृद्धि में नए चैप्टर को जोड़ने का काम करेगा। अगर उन्होंने यह बात कही थी तो आंकड़े उसे प्रमाणित भी कर रहे हैं।

काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के दौरान पुनर्वास का मुद्दा भी उठा था। विपक्ष लगातार इस बात को उठा रहा था कि आम लोगों को उजाड़ा जा रहा है। लेकिन जिन 300 संपत्तियों का अधिग्रहण किया गया था उससे जुड़े लोगों का पुनर्वास हो चुका है। भरपूर मुआवजा मिला है सो अलग क

काशी में श्रद्धालुओं को आकर्षित करने के अलावा पर्यटकों की सुविधा का भी खास ख्याल रखा जाता है। काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। काशी पूरे देश में उत्तर प्रदेश डॉमेस्टिक टूरिज्म का हब बन गया है।

इसके साथ ही काशी की यात्रा करने वाला हरेक शख्स बौद्ध पर्यटक केंद्र सारनाथ तो जाता ही है। भगवान बुद्ध ने बोधगया में आत्मज्ञान प्राप्त करने के पश्चात पहला प्रवचन यहां ही दिया था। उन्होंने जहाँ प्रवचन दिया था वहां पर धामेक स्तूप है। इस स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक ने 500 ईसवी में करवाया था। हालांकि, कोविड के कारण बौद्ध धर्म को मानने वाले देशों से काशी में उड़ानें नहीं आ रहीं हैं, पर अब श्रीलंका, थाईलैंड, साउथ कोरिया, जापान और शेष बौद्ध देश के नागरिक यहाँ आने लगे हैं। काशी से लेकर सारनाथ तक घूमते हुए रोज सैकड़ों विदेशी टूरिस्ट नजर आते हैं। जाहिर है, इनमें ज्यादातर बौद्ध देशों के ही होते हैं। इन सभी क्षेत्रों की देखरेख आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की तरफ से की जाती है। हम आमतौर पर सरकारी महकमों को उनकी काहिली के कारण कोसते हैं। लेकिन, इस जगह को आर्किलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया बेहतरीन तरीके से व्यवस्थित कर रही है। बीते सावन के दिनों में काशी भर गया ता टूरिस्टों से। आंकड़ों के मुताबिक सावन महीने में करीब 2.5 से 3 लाख पर्यटकों का रोजाना काशी में आगमन हुआ। कहना न होगा कि बड़ी संख्या में पर्यटकों के आने से काशी की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों को रोजगार के भी अवसर उपलब्ध हुए हैं। काशी आने वाले सबसे ज्यादा श्रद्धालु और पर्यटक काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन, वाराणसी के घाटों की गंगा आरती करने, नमो घाट और सारनाथ का भ्रमण करने के लिए पहुंचते हैं। वाराणसी में अनेक प्रकार के फेस्टिवल और सांस्कृतिक कार्यक्रम को भी समय-समय पर आयोजित किया जाता है। मुझे कुछ समय पहले मेरे ईस्ट अफ्रीकी देश केन्या के मित्र स्टीफन मुंगा कह रहे थे कि वे अपनी आगामी भारत यात्रा के समय काशी जरूर जाना चाहेंगे। मैंने उनकी काशी के प्रति दिलचस्पी की वजह पूछी तो कहने लगे कि भारत को समझने के लिए काशी को देखना जरूरी लगता है। वैसे बाबा विश्वनाथ का दर्शन कौन नहीं करना चाहेगा ?

हां, यह ठीक है कि काशी ने गोवा, केरल और देश के बाकी प्रमुख पर्यटन स्थलों-राज्यों को पीछे छोड़ दिया है, पर्यटकों को अपनी तरफ खींचने के स्तर पर, लेकिन देश के पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी लोगों को अपने-अपने क्षेत्रों को विकसित करना होगा। भारत के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक पर्यटक को बढ़ावा देना लाभदायक होगा क

बेशक, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद उत्तर प्रदेश का टूरिज्म 10 गुना तक बढ़ सकता है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या में 30,000 करोड़ रुपये से आधारभूत सुविधाओं के विकास की परियोजनाओं पर कार्य कर रही हैं। कुछ समय पहले देश भर के टूर ऑपरेटर्स की सालाना बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घरेलू पर्यटकों की पसंद के मामले में इस समय उत्तर प्रदेश देश पहले स्थान पर है। उत्तर प्रदेश धार्मिक, आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म के सभी बड़े केंद्र मौजूद हैं। जब अयोध्या में 2024 तक श्रीराम मंदिर बनकर तैयार हो जाएगा तो वहां 10 गुना से 50 गुना पर्यटन बढ़ने का अनुमान है । कृष्ण जन्मभूमि का कोरिडोर तैयार होने पर यही हाल मथुरा-वृंदावन का होने वाला है क अयोध्या हर सनातनी की आस्था का केंद्र है जहां भव्य मंदिर का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इसके अलावा राज्य में रामायण, कृष्ण और बौद्ध सर्किट को व्यावहारिक धरातल पर उतारने का प्रयास युद्धस्तर पर चल रहा है।

आखिर पाकिस्तान बदहाल क्यों है?

-बलबीर पुंज

आखिर पाकिस्तान बदहाल क्यों है? 1947 में खूनी विभाजन के बाद खंडित भारत जहां चांद पर पहुंच गया, वही एक चौथाई भारतीय भूंखडों को काटकर बनाया गया पाकिस्तान क्यों इतना पिछड़ गया? आखिर पाकिस्तान इस हाल में कैसा पहुंचा? इसका संकेत पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की हालिया टिप्पणी में मिल जाता है। बीते दिनों नवाज ने अपने देश में मंडराए आर्थिक संकट के लिए सैन्य प्रतिष्ठान पर निशाना साधते हुए कहा, ह्लनकदी संकट से जूझ रहे देश की परेशानी के लिए न तो भारत जिम्मेदार है और न ही अमेरिका, बल्कि हमने अपने पैरों पर स्वयं कुल्हाड़ी मारी है।ह्ल इसका निहितार्थ क्या है?

पाकिस्तान की वर्तमान आर्थिक स्थिति क्या है? कंगाली के चौखट पर पहुंचा पाकिस्तान गले तक कर्ज में डूबा हुआ है। पुराना कर्ज चुकाने के लिए या तो उसे नया कर्ज लेना पड़ रहा है या फिर अपने नागरिकों पर इसका बोझ कभी तेल की कीमतों को बढ़ाकर, तो कभी बिजली की दरों में वृद्धि करके थोप रही है। स्थिति यह हो गई है कि खाने-पीने की चीजों के मूल्यों में बढ़ोतरी और गैस की आसमान छूती कीमतों के चलते पाकिस्तान में संवेदनशील मूल्य सूचकांक (एसपीआई) 42.6 प्रतिशत तक बढ़ गया। पाकिस्तान में चीनी, चाय, चिकन, आटा और चावल सहित अधिकतर आवश्यक वस्तुएं महंगी हो गई है। पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो के अनुसार, यह लगातार छठा सप्ताह है, जब साप्ताहिक मुद्रास्फीति सूचकांक 41 प्रतिशत से ऊपर है। बीते दिनों पाकिस्तान में बिजली बिल बढ़ाने पर आम जनता सड़कों पर उतर आई थी। तब हालात गृह युद्ध जैसे हो गए थे।

पाकिस्तान में नकदी किल्लत इतनी विकराल है कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सरकार ने उसकी तंगहाली पर तरस खाकर मुफ्त में प्रदूषण से बचने हेतु कृत्रिम वर्षा करवाई। पाकिस्तान की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो प्रदूषण से लोगों को मुक्ति दिलाने हेतु पाकिस्तानी सरकार 35 करोड़ रुपये का अनुमान जताया था। इस संबंध में पाकिस्तान अपने मित्र चीन की ओर टकटकी लगाए देख रहा था कि वह लाहौर में कृत्रिम बारिश कराएगा। परंतु चीन के बजाय यूएई ने एक फूटी कौड़ी भी लिए बिना यह काम कर दिया।

वास्तव में, पाकिस्तान नकारात्मक चिंतन से जनित विफल ह्यराष्ट्रह्ल है। कहने को यह इस्लाम के नाम पर बना, परंतु इसकी मांग के पीछे इस्लाम के प्रति प्रेम कम, ह्यकाफिरह्ल हिंदुओं-भारत की ह्यकुफ्रह्ल बहुलतावादी सनातन संस्कृति के प्रति घृणा अधिक थी, जो अब भी व्याप्त है। अपनी इसी मानसिकता के कारण पाकिस्तान, उस साम्राज्यवादी चीन का पिछलग्गू बना हुआ है, जो भी भारत को अपना एक बड़ा शत्रु समझता है। यह स्थिति तब है, जब विश्व के किसी देश की सरकार द्वारा मुसलमानों का उत्पीड़न करने के मामले में चीन घोषित रूप से कुख्यात है। शिनजियांग में एक करोड़ से अधिक मुस्लिमों का राजकीय दमन– इसका उदाहरण है। द्वेष प्रेरित जनमानस को किसी के खिलाफ एकजुट तो कर सकते है, परंतु उनका सकारात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु भागीदार बनना कठिन है। यह दर्शन उन मूल्यों-जीवनशैली का अंधा-विरोध है, जो भारत को अनाधिकाल से परिभाषित करते आए है। पाकिस्तान स्वयं को खंडित भारत से अलग, तो मध्यपूर्वी एशिया-खाड़ी देशों से निकट दिखाने हेतु प्रयासरत है। पाकिस्तान में 40 प्रतिशत से अधिक लोगों के पंजाबी भाषी होने के बाद भी विदेशी फारसी भाषा में कौमी तराना (राष्ट्रगान) होना– इसका प्रमाण है। वास्तव में, पाकिस्तान उस मूर्ख पड़ोसी की भांति है, जो अपने घर में आग इसलिए लगा लेता है, ताकि उसका पड़ोसी भी धुंए के कारण संकट में आ जाता है।

एक तो पाकिस्तानी वैचारिक अधिष्ठान की भारत-विरोधी मानसिकता, उसपर इस इस्लामी देश का सत्ता-प्रतिष्ठान (पाकिस्तानी सेना सहित) भारत से 1971 का बदला लेने हेतु ह्यहजार घाव देकर मौत के घाट उतारनेह्ल संबंधित नीति का अनुसरण कर रहा है। वह अपने संसाधनों का बहुत बड़ा हिस्सा प्रशिक्षित आतंकवादियों को तैयार करने पर व्यय कर रहा है। ह्यखालिस्तानह्ल के नाम पर सिख अलगाववाद को हवा देना, 1980-90 के दशक से कश्मीर में स्थानीय मुस्लिमों को इस्लाम के नाम पर हिंदुओं-सिखों और भारतपरस्त मुसलमानों की हत्या करने को प्रोत्साहित करना, वर्ष 2001 के संसद जिहादी हमले, 2008 के 26/11 मुंबई आतंकी हमले सहित दर्जनों जिहाद (उदयपुर-अमरावती हत्याकांड सहित) में भूमिका और सीमापार से आतंकवादियों की घुसपैठ– इसका परिणाम है।

चूंकि पाकिस्तान ने अपने वैचारिक अधिष्ठान के अनुरूप असंख्य जिहादियों को तैयार किया है, उससे न तो स्थानीय जनमानस सुरक्षित है और न ही निवेशक-उद्यमी।

पाकिस्तान ने अपनी वैचारिक कोख से जिन हजारों-लाख जिहादियों को पैदा किया, वह उसके लिए भी भस्मासुर बन रहे है। एक आंकड़े के अनुसार, पाकिस्तान द्वारा पनपाए आतंकवाद ने दीन के नाम पर 2002-14 के बीच ही 70,000 पाकिस्तानियों को मौत के घाट उतार दिया। खंडित भारत में मोदी सरकार आने के बाद जिस प्रकार भारत के सामरिक-रणनीतिक दृष्टिकोण में आमूलचूल परिवर्तन आया है, उससे सीमापार घुसपैठ में भारी गिरावट देखने को मिली है। परिणामस्वरूप, पाकिस्तानी जिहादी अब अपनी शुद्ध-भूमि को और अधिक स्वाह करने में लगे है। यूं कहे कि तकनीकी क्रांति के युग में पाकिस्तानी आतंकी भी वर्क फ्रॉम होम में व्यस्त है।

क्या नवाज शरीफ के कारण भारत-पाकिस्तान के संबंधों में कोई आमूलचूल परिवर्तन आएगा या फिर पाकिस्तानी सेना का वर्चस्व कम होगा? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से ना है। सच तो यह है कि जिस पाकिस्तानी सेना पर नवाज अपने मुल्क लौटने के बाद बरस रहे है, उन्हीं की अनुकंपा से नवाज की वतन-वापसी संभव हो पाई है। यही नहीं, जिन फ्लैगशिप, एवेनफील्ड और अल-अजीजिया स्टील मिल संबंधित भ्रष्टाचार मामलों में नवाज एकाएक बरी हुए है, उनकी पटकथा स्वयं पाकिस्तानी सेना ने ही लिखी थी। नवाज, तीन बार–1990-93, 1997-99 और 2013-17 पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे है। सच तो यह है कि नवाज के शासन के दौरान भी पाकिस्तानी सत्ता अधिष्ठान के समर्थन से जिहादियों द्वारा कश्मीर में हिंदुओं का नरसंहार (1991), कारगिल युद्ध (1999) और पठानकोट पर आतंकवादी हमला (2016) हुआ था। एक बात अमिट है कि पाकिस्तान के वैचारिक अधिष्ठान को जिस काफिर-कुफ्र अवधारणा से प्रेरणा मिलती है, उसमें काफिर भारत-अमेरिका से संबंध शांतिपूर्ण करने के विचारों से वहां न तो कोई राजनीतिक दल प्रासंगिक रह सकता है और न ही एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान अधिक समय तक जिंदा रह सकता है।

लेखक वरिष्ठ स्तंभकार

अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर निर्माण से स्थानीय अर्थव्यवस्था को लगेंगे पंख

अंततः वह घड़ी भी बहुत करीब आ पहुंची है, जिसका इंतजार हिंदू धर्मावलंबी पिछले लगभग 500 वर्षों से कर रहे हैं। 5 अगस्त 2020 को भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने पूजनीय संत मंडल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत के सानिध्य में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण की आधारशिला रखी थी। अब दिनांक 22 जनवरी 2024 को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ही पूज्य संत मंडल एवं परम पूजनीय सर संघचालक श्री मोहन जी भागवत की उपस्थिति में अयोध्या में नव निर्मित प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। भारत ही क्या बल्कि पूरे विश्व में ही हिंदू धर्मावलंबी अति उत्साहित हैं एवं पूरे भारत में वातावरण राममय होने जा रहा है।

अयोध्या में निर्माणरत श्रीराम मंदिर पूरे विश्व में निवासरत हिंदू धर्मावलम्बियों के लिए न केवल विशाल आस्था के एक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है बल्कि यह देश में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देगा और इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त लाभ होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। हाल ही में सम्पन्न दीपावली त्यौहार के शुभ अवसर पर अयोध्या में 22.23 लाख दिए जलाए गए थे, यह अपने आप में एक गिनीज विश्व रिकार्ड के रूप में माना जा रहा है। वर्तमान में 2.5 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में पहुंचते हैं। प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण हो जाने के पश्चात पर्यटकों की यह संख्या 10 गुना तक बढ़ सकती है अर्थात 25 करोड़ पर्यटक प्रतिवर्ष अयोध्या में आ सकते हैं। एक पर्यटक यदि अयोध्या में रहते हुए 2000 रुपए का खर्च भी करता है तो 50,000 करोड़ रुपए का व्यापार अकेले अयोध्या में प्रतिवर्ष होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। धार्मिक पर्यटन के साथ ही पूरे वर्ष भर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कई प्रकार के भव्य समारोह भी अयोध्या में आयोजित होने लगेंगे, इससे कुल मिलाकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि प्रतिवर्ष एक लाख करोड़ रुपए का व्यापार केवल अयोध्या में ही होने लगेगा। अयोध्या में होटल और रिजोर्ट का निर्माण करने हेतु 20 प्रस्ताव उत्तर प्रदेश सरकार को प्राप्त हो चुके हैं, इनमे कई फाइव स्टार होटल भी शामिल हैं। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर का आधारभूत ढांचा एवं अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी विकसित किया जा रहा है। अयोध्या रेल्वे स्टेशन को विकसित कर लिया गया है। उक्त वर्णित व्यवस्थाओं के विकसित होने के पश्चात अयोध्या में बढ़ने वाले धार्मिक पर्यटन से लाखों की संख्या में नए रोजगार के अवसर निर्मित होने जा रहे हैं।

प्रतिवर्ष लगभग 25 करोड़ पर्यटकों के अयोध्या पहुंचने से स्थानीय स्तर पर छोटे छोटे व्यवसायियों को भी अपार आर्थिक लाभ होगा। धर्मशाला, होटल, यातायात व्यवस्था, खाद्य सामग्री, फल, फूल आदि अन्य कई प्रकार के पदार्थों की मांग बढ़ेगी, जिसकी आपूर्ति बनाए रखने के लिए कई प्रकार के छोटे छोटे उद्योग धंधे भी अयोध्या के आस पास के गावों में विकसित होंगे। फल, सब्जी, फूल आदि पदार्थों की पैदावार भी ग्रामीण इलाकों में होने लगेगी जिससे इस क्षेत्र के किसानों को भी भरपूर लाभ होने लगेगा। अपने आप में अयोध्या आस्था के केंद्र के साथ साथ एक वाणिज्यिक केंद्र के रूप में भी विकसित होने जा रहा है।

हारिस रऊफ की वापसी, एससीजी टेस्ट के लिए पाकिस्तान टीम में शामिल

सिडनी। हारिस रऊफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (एससीजी) में मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने तीसरे टेस्ट मैच से कुछ दिन पहले सिडनी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम में शामिल हो गए हैं। नवंबर में, 30 वर्षीय ने मूल रूप से मेलबर्न स्टार्स के लिए बिग बैश लीग (बीबीएल) 2023-24 मैच खेलने के लिए पाकिस्तान की राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को छोड़ दिया था। रऊफ ने 13 दिसंबर से 28 दिसंबर के बीच स्टार्स के लिए 4 मैच खेले। हालांकि उन्होंने टेस्ट मैच के लिए 31 दिसंबर को एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ जरूरी मैच छोड़ दिया है। क्रिकेटर को पाकिस्तान के रंग में सिडनी जाते हुए देखा गया, क्योंकि टीम मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 'नए साल' पर होने वाले टेस्ट मैच के लिए तैयार है। यह टेस्ट 3 जनवरी से 7 जनवरी के बीच खेला जाएगा। पाकिस्तान को पहले दो टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारी हार का सामना करना पड़ा था। पाकिस्तान सीरीज गंवा चुका है। वह 1992 के बाद से ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीत नहीं पाया है। रऊफ की अनुपस्थिति में, शाहीन अफरीदी ने पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभाली। उनके साथ आमिर जमाल और खुर्रम शहजाद भी शामिल रहेहारिस रऊफ के पाकिस्तान टीम में शामिल होने से, कोई यह मान सकता है कि क्रिकेटर एससीजी में अपने देश की शुरुआती लाइन-अप में शामिल हो सकते हैं। स्पीडस्टर ने हाल ही में लगातार बीबीएल 2023-24 खेलों में सिडनी सिक्सर्स और होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ मुकाबले में विजयी प्रदर्शन किया था। नवंबर 2023 में, रऊफ को पूरे पाकिस्तानी क्रिकेट जगत से काफी आलोचना मिली थी, जब उन्होंने फ्रेंचाइजी क्रिकेट को प्राथमिकता देने के लिए ऑस्ट्रेलिया के तीन मैचों के टेस्ट दौरे से खुद को बाहर कर लिया था।

पीएसएल पर बोले वसीम अकरम- यह मिनी इंडियन प्रीमियर लीग की तरह है

सेंचुरियन। महान पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने हाल ही में एक बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने पीएसएल को पाकिस्तान का 'मिनी-आईपीएल' करार दिया। अकरम से आईपीएल और पीएसएल में से किसी एक को चुनने के लिए कहा गया तो बिना रुके इस सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं दोनों लीगों का हिस्सा रहा हूं। उनकी तुलना करना असंभव है, आईपीएल बहुत बड़ा है। पीएसएल पाकिस्तान में महत्वपूर्ण है, देश के लिए मिनी आईपीएल की तरह।

अकरम की तुलना आईपीएल के निर्विवाद वैश्विक प्रभुत्व को उजागर करती है, जो अपने गुणवत्तापूर्ण मैचों और स्टार-स्टडेड प्लेयर लाइन-अप के लिए प्रसिद्ध है। पीएसएल, हालांकि पाकिस्तान में महत्वपूर्ण है, इसे भारतीय क्रिकेट महाकुंभ का छोटा संस्करण माना जाता है। जब अकरम से कोलकाता नाइट राइडर्स और कराची किंग्स के बीच चयन करने के लिए कहा गया, तो टीम की प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए, अकरम ने कूटनीतिक रूप से दोनों को चुना, शायद दोनों फ्रेंचाइजी की ताकत को स्वीकार करते हुए। आईपीएल 2024 22 मार्च से शुरू होकर मई के अंत तक चल सकता है। यह इस पर निर्भर करता है कि भारत का चुनाव आयोग अगले आम चुनाव की तारीखों की घोषणा कब करता है।

मैगनस कार्लसन सातवीं बार बने विश्व ब्लिट्ज़ शतरंज चैम्पियन

समरकन्द। यहाँ नॉर्वे के मैगनस कार्लसन नें एक और इतिहास रचते हुए विश्व रैपिड के बाद विश्व ब्लिट्ज़ का खिताब भी अपने नाम कर लिया । शतरंज के इन दोनों फटाफट फॉर्मेट रैपिड और ब्लिट्ज़ के दोहरे खिताब पिछले साल भी कार्लसन ने ही अपने नाम किए थे और एक बार फिरसे उन्होंने यह साबित कर दिया की कार्लसन से बड़ा खिलाड़ी फिलहाल तो कोई नहीं है । कार्लसन नें 21 राउंड के ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट में 16 अंक बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता ,इस दौरान उन्होंने

12 मुकाबले जीते तो 8 ड्रॉ खेले जबकि उन्हे एकमात्र हार फ्रांस के मकसीम लाग्रेव के हाथो मिली । कार्लसन नें इससे पहले 2009 , 2014, 2017, 2018, 2019, 2022 में यह खिताब अपने नाम किया था । 15.5 अंक बनाकर रूस के डेनियल डुबोव नें रजत तो रूस के ही आर्टेमिव व्लादिस्लाव नें 15 अंक बनाकर कांस्य पदक हासिल किया । भारतीय खिलाड़ियों में 14 अंक बनाकर अर्जुन एरिगासी छठे ,13.5 अंक बनाकर अरविंद चिताबंरम 14वे ,12.5 अंक बनाकर प्रज्ञानन्दा 28वे स्थान पर रहे ।

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने टेस्ट के बाद एकदिनी क्रिकेट से भी लिया संन्यास

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने अपने टेस्ट करियर के अंत के साथ-साथ एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा कर दी है, हालांकि अगर ऑस्ट्रेलिया को लगता है कि उन्हें उनकी जरूरत है तो उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी खेलने का दरवाजा अभी खुला रखा है।

उन्होंने सोमवार को सिडनी में एक प्रेस कान्फ्रेंस में संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, मैं निश्चित रूप से एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास ले रहा हूं।यह कुछ ऐसा था जो मैंने विश्व कप के दौरान कहा था, इसे पार करना और भारत में इसे जीतना, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा, तो मैं आज उन फॉर्मों से संन्यास लेने का निर्णय लूंगा, जो मुझे दुनिया भर में कुछ अन्य लीगों में जाने और खेलने की अनुमति देता है और एक दिवसीय टीम को थोड़ा आगे बढ़ने में मदद करता है। मुझे पता है कि एक चैंपियंस है ट्रॉफी आ रही है। अगर मैं दो साल के समय में अच्छा क्रिकेट खेल रहा हूं और मैं आसपास हूं और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को जरूरत है, तो मैं उपलब्ध रहूंगा। इसका मतलब है कि अहमदाबाद में भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल उनका अंतिम वनडे था, जिसमें उन्होंने 22 शतकों के साथ 45.30 की औसत से 6932 रन बनाए। वह पुरुषों के एकदिवसीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया के छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और रिकी पोंटिंग के बाद शतकों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं,

जिन्होंने वार्नर की तुलना में 205 अधिक एकदिवसीय पारियां खेली हैं। पहले से ही उम्मीद थी कि वार्नर अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेलेंगे ताकि वह दुबई कैपिटल्स के साथ अपना आईएलटी20 करार कर सकें। वह इससे पहले टी20ई मैचों से भी चूकने वाले हैं, लेकिन कम से कम जून में कैरेबियन और यूएसए में होने वाले विश्व कप तक उस प्रारूप में अपना करियर जारी रखना चाहते हैं। वह हर प्रारूप में शतक बनाने से एक मैच दूर हैं।

नवंबर में एकदिवसीय विश्व कप के बाद, वार्नर ने 2027 तक आगे बढ़ने का संकेत दिया था, हालांकि तब तक वह 41 वर्ष के हो चुके होंगे और कहा था कि जिस तरह से टीम ने भारत में वापसी की थी, वह इसे आदर्श समापन बिंदु बनाता है। उन्होंने कहा, यह एक ऐसा निर्णय था जिसके साथ मैं बहुत सहज था। भारत में जीतना, जहां हम थे, बिल्कुल आश्चर्यजनक था।

उन्होंने कहा, जब हम भारत में लगातार दो गेम हार गए, तो एक-दूसरे के साथ संबंध मजबूत हो गए और यह कोई संयोग नहीं है कि हम वहां पहुंचने में सक्षम थे जहां हम थे। मैक्सी [ग्लेन मैक्सवेल] की वीरता, कप्तानी और जिस तरह से हमने भारत के खिलाफ खेला उसका कौशल और कार्यान्वयन अभूतपूर्व था, और कोलकाता सेमीफाइनल में भी इसे खारिज नहीं किया जा सका।37 वर्षीय खिलाड़ी ने दो बार के विश्व चैंपियन के रूप में अपने एक दिवसीय करियर को अलविदा कहा है और हाल ही में 2023 विश्व कप को ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी रन स्कोरर के रूप में समाप्त किया है। उन्होंने 22 शतकों के साथ 45.30 की औसत से 6,932 वनडे रन बनाए हैं। आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में केवल रिकी पोंटिंग ने ही सबसे अधिक वनडे शतक बनाए हैं।

सदर्न डर्बी में बेंगलुरु बुल्स ने दर्ज की रोमांचक जीत, तमिल थलाइवाज की लगातार छठी हार

नोएडा। बेंगलुरु बुल्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन के 50वें मैच में तमिल थलाइवाज को 1 अंक से हरा दिया। यहां नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए एक कड़े मुकाबले में तमिल थलाइवाज की टीम कई मौकों पर अच्छी लीड लेने के बाद अंतिम मिनटों में अपनी लय खो बैठी और उसे बेंगलुरु के खिलाफ 37-38 से हार का सामना करना पड़ा। बेंगलुरु बुल्स ने अंतिम दो मिनट के अंदर मैच को पलटते हुए जीत के साथ साल 2023 का समापन किया।

बेंगलुरु बुल्स के लिए भरत ने सुपर-10 के साथ 10 अंक बटोरे। उनके अलावा विकास कंडोला, नीरज नरवाल और सौरभ नांदल ने 4-4 प्वॉइंट्स अपने नाम किए। तमिल थलाइवाज की ओर से नरेंदर ने सुपर-10 लगाते हुए 12 अंक हासिल किए, लेकिन वह टीम को जीत दिलाने से चूक गए।

बेंगलुरु बुल्स की सीजन-10 में 10 मैचों में यह चौथी जीत है

और टीम अब 25 अंकों साथ 10वें से सातवें नंबर पर पहुंच गई है। तमिल थलाइवाज को नौ मैचों में सातवीं और लगातार छठी हार का मुंह देखना पड़ा है। टीम 13 अंक लेकर 11वें नंबर पर है।

सदर्न डर्बी के इस मुकाबले में बेंगलुरु बुल्स ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए शुरुआती कुछ मिनटों में अपना दबदबा कायम रखा। लेकिन तमिल थलाइवाज ने जल्द ही वापसी करते हुए स्कोर को 7-7 की बराबरी पर ला दिया। थलाइवाज ने हालांकि नरेंदर के दम पर तीन अंकों की लीड ले ली थी कि तभी बेंगलुरु ने आठवें मिनट में सुपर टैकल करके लीड को खत्म कर दिया। इसके साथ ही पहले 10 मिनट के खेल में दोनों टीमें 10-10 की बराबरी पर थी।तमिल थलाइवाज के लिए नरेंदर के अलावा अजिंक्य पवार ने भी अंक लेना जारी रखा। 15वें मिनट तक थलाइवाज के पक्ष में एक अंक का फासला था। इसी बीच, बेंगलुरु बुल्स ने 18वें मिनट में सुपर टैकल करके स्कोर को फिर से 14-14 की बराबरी पर ला दिया। अगले ही मिनट में नितिन सिंह ने सुपर रेड के साथ थलाइवाज को बढ़त दिला दी। थलाइवाज ने 20वें मिनट में बेंगलुरु बुल्स को ऑल आउट करके हाफ की समाप्ति तक अपने स्कोर को 20-17 कर लिया। विकास कंडोला ने दूसरे हाफ में सुपर रेड करके बेंगलुरु को तीन अंक दिला दिए। लेकिन तमिल थलाइवाज ने फिर से लीड कायम कर ली। थलाइवाज ने 25वें और फिर 29वें मिनट में विकास कंडोला को दो बार सुपर टैकल करके अपनी लीड को पांच अंकों तक पहुंचा दिया।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में मो. साबिर एवं अब्दुल कादिर बने तकनीकी अधिकारी

प्रयागराज। चेन्नई तमिलनाडु में 20 से 24 जनवरी तक आयोजित होने वाले खेलो इंडिया यूथ गेम्स में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोध छात्र मोहम्मद साबिर और केंद्रीय विद्यालय न्यू कैंट के शारीरिक शिक्षक अब्दुल कादिर को खेलो इंडिया यूथ गेम्स में राष्ट्रीय तकनीकी अधिकारी के रूप में चुना गया है। यह जानकारी मोहम्मद साबिर ने देते हुए बताया है कि शारीरिक शिक्षा विभाग में प्रोफेसर अर्चना चहल के निर्देशन में वे पीएचडी कर रहे हैं। उन्हें स्क्वैश रैकेट फेडरेशन और खेलो इंडिया

द्वारा चुना गया है। चेन्नई स्थित राष्ट्रीय स्क्वैश अकादमी में अयोजित इस टूर्नामेंट में 19 राज्य के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।

मोहम्मद साबिर ने बताया कि उनके भाई उन्हें 2012 में 19 साल की उम्र में रेफरी के रूप में पहले टूर्नामेंट का ऑफर किया था। 2012 से अब तक वह 50 से अधिक राष्ट्रीय स्तर टूर्नामेंट और दक्षिण एशियाई खेल विश्व जूनियर स्क्वैश टूर्नामेंट में रेफरी की भूमिका निभा चुके हैं। 2020 में उन्हें निदेशक रेफरी उत्तर क्षेत्र के रूप में चुना गया था।वहीं, अब्दुल कादिर प्रयागराज के पूर्व कोच भी रह चुके हैं और वर्ष 2011 से रेफरी कर रहे हैं। अब्दुल कादिर एशियन स्क्वैश फेडरेशन और वर्ल्ड स्क्वैश फेडरेशन द्वारा लेवल वन कोच है।

रणजी ट्राफी में एक बार फिर पुराने क्रिकेटरों पर जताया गया भरोसा

कानपुर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ इस बार की रणजी टीम में एक बार फिर से पुराने खिलाड़ियों पर ही भरोसा जताया गया है। पिछले साल बीच सत्र के दौरान ही टीम से हटाए गए क्रिकेटरों की टीम में पुन: वापसी एक बार फिर से कुछ और इशारे बयां कर रही है। प्रदर्शन के आधार पर देखा जाए तो जिन तीन खिलाड़ियों की वापसी टीम में हुई है, वह पिछले साल कुछ खास ना कर सके थे। इसके बावजूद भी सैलेक्टर्स ने उन पर न जाने किस आशा पर भरोसा जताया है।

गौरतलब है कि रणजी ट्राफी टीम के इन तीन सदस्यों को और खिलाड़ियों को बीते साल प्रदर्शन न कर पाने के लिए टीम से बाहर बैठा दिया गया था और उनके स्थान पर नए नवेले खिलाड़ियों को टीम में जगह दे दी गयी थी। ऐसा उन खिलाड़ियों का पूरे सत्र में अनफिट होने का कारण भी दर्शाया गया था। क्योंकि अगर टीम चुनने के लिए फिटनेस ही आधार बनाया गया होता तो भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को भी स्थान आसानी से मिल सकता था। यही नहीं पूर्व कप्तान नितीश राणा भी टीम में शामिल नहीं किए गए।

यूपीसीए के सूत्र बताते हैं कि कानपुर,लखनऊ और मेरठ के खिलाड़ियों की टीम में एक बार फिर से वापसी चयनकर्ताओं के लिए एक चुनौती पेश कर सकते है। क्रिकेट जगत के लोगों में चर्चा है कि अगर किसी खिलाड़ी की उम्र ढलान की ओर होती है तो उसका असर उसकी फिटनेस पर अवश्य ही पड़ता है। क्रिकेट के एक जानकार के मुताबिक बीते साल इन्हीं खिलाड़ियों को शायद फिटनेस न होने पर बाहर का रास्ता दिखाया दिया गया था और तो और दिन प्रतिदिन कठिन होते जा रहे यो-यो टेस्ट पास करना पुराने खिलाड़ियों के लिए इतना आसान भी नहीं है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के ही एक होनहार खिलाड़ी सुरेश रैना को टेस्ट पास न कर पाने के चलते भी टीम से बाहर कर दिया गया था। बीते सितम्बर महीने में आयोजित प्रदेश प्रीमियर लीग टी-ट्वेन्टी प्रतियोगिता में कानपुर नगर के खिलाड़ी को दो मैचों के बाद बिठा दिया गया था, जबकि समर्थ को पूरे मौके भी नहीं दिए गए थे। लखनऊ के क्रिकेटर और कप्तान भी कानपुर की कप्तानी सुचारू रूप से नहीं कर सके थे। इन तीनों की टीम में वापसी पर कानपुर नगर के एक खिलाड़ी ने कहा कि अगर इन तीनों की वापसी फिटनेस के आधार पर की गयी है तो भुवनेश्वर को भी टीम का हिस्सा अवश्य ही होना चाहिए।

यूपीसीए से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि कल तक इन खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखने के लिए चर्चा आम थी ऐसा क्या हुआ कि सबका चयन एक बार फिर से हो गया। इस बारे में बात करने के लिए मीडिया मैनेजर मोहम्मद फहीम को फोन मिलाया गया, लेकिन उस पर बात नहीं हो सकी।

यूनाइटेड कप : नोवाक जोकोविच ने सर्बिया को दिलाई चीन पर जीत

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया)। नोवाक जोकोविच ने पर्थ में एक दशक के बाद पहला मैच खेलते हुए यूनाइटेड कप टेनिस टूर्नामेंट में सर्बिया को चीन पर 2-1 से जीत दिलाई। जोकोविच ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के इस शहर में इससे पहले अपना अंतिम मैच 2013 में होपमैन कप में खेला था। जोकोविच ने एकल मैच में झांग झिझेन को 6-3, 6-2

से हराया और फिर ओल्गा डेनिलोविच के साथ मिलकर निर्णायक मिश्रित युगल में झेंग क्विनवेन और झांग के खिलाफ 6-4, 1-6, 10-6 से जीत दर्ज की। झेंग ने इस बीच डेनिलोविच को 6-4, 6-2 से हराकर चीन को बराबरी दिलाई थी। चीन ने अपने पहले मुकाबले में चेक गणराज्य को 3-0 से हराया था लेकिन अब सर्बिया भी ग्रुप ई से आगे बढ़ने की दौड़ में शामिल हो गया है।

फीडे कैंडिडैट शतरंज : भारत के डी गुकेश नें भी बनाई जगह

नई दिल्ली । भारतीय शतरंज के लिए वर्ष 2023 का आखिरी दिन भी शानदार रहा और जैसे ही फीडे ब्लिट्ज़ शतरंज का समापन हुआ उसके बाद विश्व शतरंज संघ नें अधिकृत तौर पर गुकेश के फीडे कैंडिडेट में फीडे सर्किट में शीर्ष स्थान पर रहने के कारण चयनित होने की घोषणा कर दी । और अब प्रज्ञानन्दा , विदित गुजराती और गुकेश तीन भारतीय पहली बार फीडे कैंडिडेट में खेलते नजर आएंगे जो अपने आप में एक इतिहास होगा । इससे पहले सिर्फ रूस के तीन खिलाड़ी एक साथ फीडे कैंडिडेट खेले थे ।

क्या है फीडे कैंडिडेट ? : शतरंज में दुनिया के 8 खिलाड़ी जो विभिन्न माध्यम से चयनित होकर आते है , डबल राउंड रॉबिन क्लासिकल टूर्नामेंट खेलते है और

इसका विजेता खिलाड़ी ही वर्तमान विश्व चैम्पियन से विश्व चैंपियनशिप खेलता है , 2023 में मैगनस कार्लसन के विश्व चैंपियनशिप से नाम वापस लेने के बाद रूस के यान नेपोमनिशि को हराकर चीन के डिंग लीरेंन विजेता बने थे ।

कौन कौन होगा कैंडिडेट में ?

पिछली बार विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर होने के चलते रूस के यान नेपोमनिशी, फीडे विश्व कप से भारत के प्रज्ञानन्दा और यूएसए के फबियानों करूआना जबकि कार्लसन की जगह विश्व कप की यह सीट अजरबैजान के अब्बासोव को मिलेगी , फीडे ग्रांड स्विस विजेता भारत के विदित गुजराती और उपविजेता यूएसए के हिकारु नाकामुरा , फीडे सर्किट से भारत के डी गुकेश और सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के कारण फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को यह स्थान मिला है ।

अक्षर पटेल ने सुनाया किस्सा- उस दिन मुझे पंत की बहन का फोन आया... मैं डर गया क्योंकि

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिल्ली-रुड़की राजमार्ग पर पिछले साल दिसंबर में कार दुर्घटना का सामना करना पड़ा था। पंत की कार डिवाइडर से टकरा गई थी जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। कार में आग लग गई थी और वह राहगीर की मदद से बचे थे। इसी बीच भारतीय क्रिकेट टीम और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) में पंत के साथी अक्षर पटेल ने एक किस्सा शेयर किया है। अक्षर पटेल ने बताया कि उस दिन सुबह-सुबह पंत की बहन प्रतिमा का मुझे फोन आया। उन्होंने पूछा कि आखिरी बार पंत से कब बात की थी। उस वक्त सुबह 7 या 8 बजे थे। वह जानना चाहती थी कि मेरी आखिरी बार ऋषभ पंत से कब बात हुई थी। मैंने समझाया कि मैंने पिछले दिन उससे बात करने की योजना बनाई थी लेकिन नहीं कर पाया। प्रतिमा ने तुरंत पंत की मां का संपर्क नंबर मांगा, जिससे पता चला कि वह एक दुर्घटना का शिकार हो गया है। डीसी द्वारा अपलोड किए गए एक वीडियो में अक्षर ने कहा कि मेरी प्रारंभिक

प्रतिक्रिया सबसे खराब होने का डर था, यह सोचकर कि वह मर जाएगा। बता दें कि पंत उस दुर्घटना के बाद तेजी से सुधार कर रहे हैं। उनका लक्ष्य 2024 में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में एक्शन में वापसी करना है। डीसी फ्रेंचाइजी के साथ 19 दिसंबर को दुबई में आईपीएल नीलामी तालिका में उनकी उपस्थिति मैदान पर वापस आने के उनके दृढ़ संकल्प को दर्शाती है। आईपीएल द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक हालिया वीडियो में, पंत ने ऐसी दर्दनाक घटना के बाद जीवित रहने के लिए आभार व्यक्त किया था। उन्होंने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि दुर्घटना के बाद जीवित हूं। शुरुआती रिकवरी कठिन थी, लेकिन अब यह अच्छी तरह से प्रगति कर रही है, खासकर शारीरिक रूप से। शुरुआती चुनौतियों के बावजूद, मैं पुनर्प्राप्ति यात्रा को लेकर आशावादी हूं। लोगों का सामना करना कठिन था, लेकिन कठिन समय में अपनी टीम का समर्थन करना मेरे लिए आवश्यक था। यह मेरी पुनर्प्राप्ति प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और मैं चुनौतियों से पार पाने के लिए दृढ़ हूं।

रूस की गुनिना बनी विश्व महिला ब्लिट्ज़ विजेता , हरिका कांस्य पदक से चूकी

समरकन्द। यहाँ 17 राउंड की विश्व महिला ब्लिट्ज़ शतरंज चैंपियनशिप का खिताब रूस की गुनिना वालेंटीना नें अपने नाम कर लिया , गुनिना नें 14 अंक बनाते हुए पहला स्थान हासिल किया , इससे पहले कई बार वह इस खिताब के करीब आकर चूक चुकी थी पर इस बार उन्होने यह कारनामा कर दिखाया और स्वर्ण पदक जीत लिया । स्विट्ज़रलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक नें 13.5 अंक

बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया और रजत पदक अपने नाम किया । वही कांस्य पदक के लिए मुकाबले में भारत की हरिका द्रोणावल्ली चीन की जु जिनर से हार गयी और सातवे स्थान पर रही जबकि 12.5 अंको के साथ जिनर नें वह खिताब जीत लिया . इसी दौरान विश्व रैपिड शतरंज में पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया गया , भारत की कोनेरु हम्पी नें विश्व रैपिड स्पर्धा में रजत पदक जीता था ।

भारत से पैसे लो और उन्हें विश्व कप में हराओ- हरभजन ने शेयर की मजेदार वीडियो

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने हाल ही में आईपीएल 2024 नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा 24.75 करोड़ रुपए में खरीदे जाने के बाद मिचेल स्टार्क का एक मजेदार वीडियो साझा किया था। स्टार्क आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं। उनके लिए केकेआर और गुजरात टाइटन्स ने बोली लगाई थी लेकिन अंत में केकेआर इसमें जीतने में सफल रही थी। हरभजन ने स्टार के आईपीएल अनुबंध पर एक मजेदार क्लिप साझा की। उन्होंने लिखा- सिर्फ हंसने के लिए। देखें वीडियो- बता दें कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन टेस्ट में भारत की हार के बाद हरभजन सिंह ने राष्ट्रीय चयनकर्ताओं पर निशाना साधा था। दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को भारतीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। हरभजन ने कहा था कि पुजारा विराट कोहली की तरह हैं और अनुभवी स्टार पर भरोसा न दिखाने के लिए प्रबंधन को लताड़ लगाई। उन्होंने कहा था कि रहाणे और पुजारा को टेस्ट टीम का हिस्सा होना चाहिए था। पुजारा विराट कोहली की तरह हैं और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में भारत के लिए मैच जीते हैं।

पुतिन ने युद्ध तो जिनपिंग ने अर्थव्यवस्था पर दिया संदेश

मास्को/बीजिंग। नया साल शुरू हो चुका है। आज साल का पहला दिन है। लोगों ने पटाखे फोड़कर 2024 का स्वागत किया। इसी के साथ, 2023 की विदाई हो गई। देशभर में जश्न का माहौल है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दे रहे हैं। ऑकलैंड में आतिशबाजी के प्रदर्शन के साथ 2024 के आगमन का जश्न मनाने वाले न्यूजीलैंडवासी दुनिया के पहले लोगों में से थे। आतिशबाजी ने रात के बादलों से जगमगाते आसमान को रोशन कर दिया और इसके साथ ही लेजर लाइट और एनीमेशन शो भी हुआ। आइए जानते हैं दुनिया भर के नेताओं ने किस तरह से 2023 को विदाई दी और नए साल का जश्न मनाया।

व्लादिमीर पुतिन: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए साल के मौके पर रविवार को देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध का जिक्र किया और अपने सैनिकों को नायक बताया। साथ ही एकता एवं साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

शी जिनपिंग: चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रविवार को एक टीवी पर दिए भाषण में सबको नए साल की बधाई दी। साथ ही उन्होंने इस दौरान कहा कि देश 2024 में अपनी आर्थिक बहाली की सकारात्मक प्रवृत्ति को और बढ़ाएगा।

लाइव आकर डेनमार्क की महारानी मार्ग्रेट द्वितीय ने किया यह एलान, सब सुनकर रह गए दंग

काठमांडू। डेनमार्क की महारानी मार्ग्रेट द्वितीय ने नई साल पर सबको चौंकाने वाली खबर दी है। उन्होंने अपने 52 साल के शासनकाल पर विराम लगाने की घोषणा की है। महारानी ने रविवार को बताया कि वह इसी महीने 14 जनवरी को अपना पद छोड़ देंगी और अपनी राजगद्दी अपने सबसे बड़े बेटे को सौंपेंगी।

सिंहासन पर आधी सदी पूरी

हर साल की तरह ही 83 वर्षीय महारानी इस वर्ष भी नए साल की पूर्व संध्या पर एक लाइव टीवी पर भाषण दे रही थीं, तभी अचानक उन्होंने पद छोड़ने की घोषणा कर दी। इससे हर कोई हैरान रह गया। महारानी मार्ग्रेट द्वितीय ने सिंहासन पर आधी सदी पूरी की है। अपने इस 52 साल के दौर में उन्होंने डेनिश राजघराने के आधुनिकीकरण के लिए जो किया, उसके लिए उनकी हर तरफ सराहना की जाती है।

1972 से डेनमार्क की शासिका

गौरतलब है कि महारानी मार्ग्रेट द्वितीय 1972 से डेनमार्क की शासिका हैं।

पीठ के ऑपरेशन के बाद आया विचार

फरवरी में पीठ के सफल ऑपरेशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे साल 2023 की शुरुआत में पीठ की सर्जरी के बाद भविष्य के बारे में विचार आने लगे। इससे यह भी पता चला कि कब अपने बेटे को ताज की जिम्मेदारियां सौंपनी है। इसलिए मैंने तय कर लिया है कि अब सही समय है।' उन्होंने कहा, 'अपने पिता की जगह लेने के 52 साल बाद 14 जनवरी को मैं डेनमार्क की रानी का पद छोड़ दूंगी। इसके बाद मेरा बड़ा बेटा क्राउन प्रिंस फ्रेडरिक जिम्मेदारी संभालेगा।' सितंबर 2022 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद वह यूरोप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महारानी बन गईं। जुलाई में, वह डेनमार्क के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सिंहासन पर बैठने वाली सम्राट बन गईं।

दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने गए कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स, नेताओं ने दी बधाई

कांगो। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेदी ने एक बार फिर राष्ट्रपति का चुनाव जीत लिया है। उन्हें 73 फीसदी से अधिक वोट मिले हैं। शीसेकेदी को यह लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में जीत मिली है, जिसमें उन्होंने प्रतिद्वंद्वी विपक्षी नेता मोइसे कटुम्बी को हरा दिया है। उनकी जीत के बाद नेताओं की बधाइयों का तांता लग गया है। देश में 20 दिसंबर को मतदान कराया गया था, जिसके परिणाम राजधानी किंशासा में घोषित किये गये। इस बीच विपक्ष एवं कुछ नागरिक समूहों ने लॉजिस्टिक संबंधी समस्या के कारण फिर से मतदान कराने की मांग की है, जिससे घोषित परिणाम की वैधता पर सवाल खड़ा हो गया है। सीईएनआई के अध्यक्ष डेनिस कदीमा ने बताया कि कुल 1.8 करोड़ में से 1.3 करोड़ से अधिक वोट शीसेकेदी को मिले थे। 43 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने भाग लिया था। वहीं, फेलिक्स के निकटतम प्रतिद्वंद्वी और व्यवसायी मोइस कटुम्बी को 18 फीसदी जबकि एक अन्य प्रत्याशी मार्टिन फायुलू को पांच प्रतिशत मत मिले हैं।

जापान में आया 7.5 तीव्रता का भूकंप, टकराई सुनामी की लहरें; लोगों को सुरक्षित जगह जाने को कहा

टोक्यो। नए साल पर जापान से एक चिंता करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां के पूर्वोत्तर क्षेत्र में 7.5 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया है। इससे देश के पश्चिमी तट के एक बड़े हिस्से में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, इस बीच यह भी जानकारी सामने आई है कि इशिकावा प्रांत के वाजिमा शहर में 1.2 मीटर की सुनामी की लहर टकराई है। फिलहाल, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुनामी की चेतावनी के बाद लोगों से इशिकावा, निगाता, तोयामा और यामागाता प्रान्तों के तटीय क्षेत्रों को जल्द से जल्द छोड़ने का आग्रह किया गया है। कहा जा रहा है कि पांच मीटर (16 फीट) ऊंची लहरें उठ सकती हैं। कोस्टल एरिया में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया है।

हवाई स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा है कि जापान तट पर भूकंप के केंद्र के 300 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठने की आशंका है। बता दें, भूकंप के झटके टोक्यो और पूरे कांटो इलाके में महसूस किए गए हैं।

इतनी बार महसूस किए गए झटके

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने कहा कि जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के जापान सागर की ओर नोटो क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार शाम चार बजकर छह मिनट पर 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद शाम चार बजकर 10 मिनट पर 7.6 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 18 मिनट पर 6.1 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 23 मिनट पर 4.5 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 29 मिनट पर 4.6 तीव्रता का भूकंप और चार बजकर 32 मिनट पर 4.8 तीव्रता का भूकंप आया।

अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि इसके तुरंत बाद 6.2 तीव्रता का एक और भूकंप आया।

2011 में भूकंप के बाद सुनामी से हुई थीं 18 हजार मौतें

जापान में मार्च 2011 में नौ तीव्रता वाले विनाशकारी भूकंप के कारण जबर्दस्त सुनामी आई थी। तब उठी सुनामी की लहरों ने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट को तबाह कर दिया था। इसे पर्यावरण को नुकसान के लिहाज से बड़ी घटना माना गया था। तब समुद्र में उठी 10 मीटर ऊंची लहरों ने कई शहरों में तबाही मचाई थी। इसमें करीब 18 हजार लोगों की मौत हुई थी।

रिंग ऑफ फायर पर बसा है जापान

जापान भूकंप के सबसे ज्यादा सेंसेटिव एरिया में है। यह पैसिफिक रिंग ऑफ फायर में आता है। रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कॉन्टिनेंटल प्लेट्स के साथ ओशियानिक टेक्टॉनिक प्लेट्स भी मौजूद हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है। इनके असर से ही सुनामी आती है और वॉल्केनो भी फटते हैं। इससे पहले, पिछले साल दिसंबर की शुरुआत में फिलीपींस में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया था कि तड़के करीब 01:20 बजे भूकंप आया था। इसका केंद्र मिंडानाओ में 82 किमी की गहराई में था। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने शुरुआत में फिलीपींस तट के कुछ हिस्सों में तीन मीटर (10 फीट) तक की लहरें उठने का अनुमान लगाया था, लेकिन बाद में सुनामी का कोई खतरा नहीं होने की घोषणा की।

अंतरिक्ष में अनूठे तरीके से मनाया गया नववर्ष का जश्न, 16 बार किया नए साल का अनुभव

प्योंगयांग। जब पूरी दुनिया धूमधाम से नए साल का स्वागत कर रही थी, तब अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों ने अनूठे तरीके से नए साल का जश्न मनाया। उन्होंने नए साल के मौके पर पृथ्वी पर 16 बार नए साल देखें। यह घटना अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर देखा गया जहां सात लोगों के एक दल ने 24 घंटों में 16 बार नए साल का अनुभव किया।

अंतरिक्ष यात्रियों ने किया 16 बार नए साल का अनुभव

स्टेशन का कक्षा मार्ग पृथ्वी की 90 फीसदी से अधिक आबादी को कवर करता है। पृथ्वी पर एक दिन में आमतौर पर 12 घंटे की रोशनी रहती है और 12 घंटे अंधेरा। लगभग 28,000 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा करते हुए अंतरिक्ष हर 90 मिनट में पृथ्वी का एक चक्कर पूरा करता है। ऐसे में अंतरिक्ष को 45 मिनट के दिन के उजाले से लेकर 45 मिनट के अंधेरे का अनुभव करना पड़ता है। यह चक्र एक दिन में 16 बार चलता है, जिससे 16 बार अंतरिक्ष को दिन के उजाले से लेकर रात के अंधेरे से गुजरना पड़ता है।

बता दें कि यह अंतरिक्ष स्टेशन 15 देशों के पांच अंतरिक्ष एजेंसियों के अंतरराष्ट्रीय साझेदारी का परिणाम है। नासा के अनुसार साल 2000 से लगातार अंतरिक्ष स्टेशन पर कब्जा किया जा रहा है। इस अंतरिक्ष स्टेशन पर मुख्य रूप से सात लोग काम करते हैं, लेकिन जब वह हैंडओवर करते हैं तो वहां कई लोग मौजूद रहते हैं।

कराची में नए साल की खुशी में चौतरफा गोलीबारी, 30 घायल, 65 गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान की सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक राजधानी कराची में नए साल पर हिंसा को रोकने के पुलिस के तमाम इंतजाम और प्रतिबंध धरे रह गए। आधीरात को घड़ी की टिक-टिक के साथ कराची की गलियां गोलियों की आवाज से दहल उठीं। इस गोलीबारी में कम से कम 30 लोग हो गए। पुलिस ने 65 लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार समूचे महानगर में नए साल की रात को जमकर हवाई फायरिंग हुई। इसमें 30 से अधिक लोग घायल हो गए। हत्या के प्रयास के आरोप में 65 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सबसे ज्यादा गोलीबारी उत्तरी नाजिमाबाद, लियाकताबाद सी-आई एरिया, रिजविया सोसाइटी, हुसैनाबाद, बहादराबाद, शाह फैसल कॉलोनी, केमारी, नेटिव जेट्टी ब्रिज, ल्यारी, रैंचोर लाइन, क्लिफ्टन बाल्दिया टाउन, उत्तरी कराची, सी व्यू, कोरंगी, ब्रलमिया, गुलशन-ए-इकबाल 13-डी, लाइंस एरिया, महमूदाबाद, पीआईबी कॉलोनी और मालिर में हुई है।

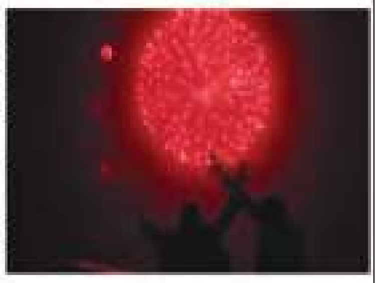

'अमेरिका और दक्षिण कोरिया अगर उकसाएं तो उन्हें तबाह कर दो', किम जोंग ने अपनी सेना को दिया आदेश

प्योंगयांग। उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को आदेश दिया है कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया कोई उकसावे वाली कार्रवाई करें तो वह उन्हें पूरी तरह से तबाह कर दें। उत्तर कोरियाई मीडिया के अनुसार, किम जोंग उन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उत्तर कोरिया में सत्ताधारी पार्टी की पांच दिवसीय बैठक चल रही है। इसी बैठक के दौरान शनिवार को किम जोंग उन ने बताया कि साल 2024 में तीन और सैन्य जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। बीते नवंबर में ही उत्तर कोरिया ने अपने पहले सैन्य जासूसी सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण किया था। किम जोंग उन ने उत्तर कोरियाई सेना के कमांडिंग अफसरों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करने की जरूरत है। किम ने कहा कि 'हमारी सेना को सभी जल्दी कदम उठाकर हमारे खिलाफ कार्रवाई करने वाले देशों को पूरी तरह से तबाह कर देना चाहिए और इसके लिए उन्हें पलभर नहीं हिचकना चाहिए।'

कोरियाई तानाशाह ने कहा कि 'कोरिया गणराज्य ताकत के माध्यम से वास्तविक, स्थायी शांति का निर्माण कर रहा है, न कि एक विनम्र शांति का, जो प्रतिद्वंद्वी की सद्भावना पर निर्भर करती है।' किम ने दक्षिण कोरिया की आलोचना करते हुए उसे 'औपनिवेशिक अधीनस्थ राज्य' बताया, जिसका समाज 'यांकी संस्कृति से कलंकित' है। उन्होंने कहा सेना को संघर्ष की स्थिति में 'दक्षिण कोरिया के पूरे क्षेत्र को कब्जाने के लिए परमाणु हथियारों सहित सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करना चाहिए।

बता दें कि उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन चीन और रूस के साथ मिलकर अपनी सेना को मजबूत बनाने में जुटे हैं। साथ ही उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को भी बढ़ाने में जुटे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर कोरिया के पास 20-30 परमाणु बमों से लेकर 100 से ज्यादा बम तक हो सकते हैं। हालांकि कई रक्षा विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि उत्तर कोरिया के सामने अभी भी कुछ तकनीकी चुनौतियां हैं, जिसकी वजह से वह इंटर-कॉन्टिनेंटल मिसाइल बनाने में सफल नहीं हुआ है। हालांकि इसकी कम दूरी की परमाणु मिसाइलें जापान और दक्षिण कोरिया को निशाना बना सकती हैं।

गाजा से हजारों सैनिकों को वापस बुलाएगी इस्राइली सेना, इस्राइल के हमलों में 150 की मौत

तेल अवीव। इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने गाजा में जमीनी सैन्य अभियान शामिल हजारों सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है। आईडीएफ ने कहना है कि गाजा में जमीनी आक्रमण में भाग लेने वाली पांच लड़ाकू ब्रिगेड को वापस लिया जाएगा, ताकि सैनिक आगे की लड़ाई के लिए खुद को मजबूत कर सकें। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में मध्य गाजा में इस्राइली सेना के हमलों में 150 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि 286 लोग घायल हुए। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने एक प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि कुछ आरक्षित सैनिक इस सप्ताह ही अपने परिवारों और नौकरियों में लौट आएंगे। इससे अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण राहत मिलेगी और उन्हें नए साल में आने वाली गतिविधियों से पहले ताकत इकट्ठा करने की अनुमति मिलेगी, और लड़ाई जारी रहेगी और हमें उनकी आवश्यकता होगी।

हगारी ने कहा कि गाजा में हमास की सुरंगों को नष्ट करने का काम जारी है। गाजा से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट की तीव्रता को कम करने पर भी काम हो रहा है।

नेपाली नागरिकों को रूस भेजने के नाम पर मानव तस्करी के चीनी गिरोह का खुलासा

काठमांडू। नेपाल सरकार के प्रतिबन्ध के बावजूद राजधानी काठमांडू में मानव तस्करी के गोरखधंधा का खुलासा हुआ है। यह धंधा कुछ चीनी नागरिकों के जरिये चलाया जा रहा है। नेपाली युवाओं को रूस भेजने के नाम पर बाकायदा उनका फिजिकल टेस्ट लिया जा रहा है।

राजधानी काठमांडू के सिनामंगल क्षेत्र में फिजिकल टेस्ट देने वाले युवाओं की भारी भीड़ देखी जा सकती है। पंक्तिबद्ध होकर करीब पांच हजार युवा अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। यहां 'सिनोपेक इंजीनियरिंग ग्रुप रसिया' लिखा हुआ बैनर टंगा है, लेकिन भीतर परीक्षा लेने वाले पांच चीनी नागरिक हैं। मुख्य द्वार के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि रूस की किसी कंपनी के माध्यम से नेपाली युवाओं को सिक्युरिटी गार्ड के रूप में भर्ती किया जा रहा है। हाथ में कुछ कागज, शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र हेल्थ सर्टिफिकेट लेकर पंक्तिबद्ध खड़े युवाओं की उम्र 18 से 30 वर्ष बीच दिख रही थी। इनमें अधिकतर युवा 25 से कम उम्र के थे। इस चीनी कंपनी के नेपाली प्रतिनिधि ने बताया कि तीन सौ कामगारों की आवश्यकता थी, जिसके लिए दस हजार लोगों ने फार्म भरा है। जब उनसे पूछा गया कि नेपाल से रूस में किसी भी काम के लिए जाने पर सरकार ने प्रतिबन्ध लगाया हुआ है तो इस पर जवाब मिला कि चीनी कंपनी ने नेपाल सरकार से अनुमति ले रखी है। रूस में नौकरी पाने के इच्छुक युवकों ने बताया कि रूस की इस कंपनी में 600 अमेरिकी डॉलर प्रति महीने सैलेरी बताई गई है। युवाओं ने यह भी खुलासा किया कि नौकरी लेने के लिए पहले कंपनी वालों को 5 लाख रुपये एडवांस में देना होगा। सेलेक्शन होने के तीन महीने बाद ही उन्हें रूस भेजा जाएगा। जांच के नाम पर युवाओं से बालू से भरी बोरियां उठाने को कहा जा रहा है। अब तक पांच सौ से अधिक युवाओं को शारीरिक परीक्षण में उत्तीर्ण करके फाइनल मेडिकल जांच के लिए भेजा रहा है। इस मामले में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने कहा कि किसी भी कंपनी को रूस में कामगारों को भेजने की अनुमति नहीं दी गई है। विदेश मंत्री के प्रवक्ता अमृत राई ने कहा कि यदि यह अवैध रूप से किया जा रहा है तो यह मानव तस्करी की श्रेणी में आएगा।

नए साल की पहली सुबह हमास ने इजराइल पर बरसाए बम

तेल अवीव। गाजा पट्टी पर छिड़े इजराइल-हमास युद्ध पर विराम के कोई आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे। इस बीच, सोमवार सुबह फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर करीब 20 रॉकेट दागे। इस हवाई आक्रमण में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

समाचार पत्र द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, हमास ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। हमास ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा है कि उसकी अल-कसम ब्रिगेड जायोनी नरसंहार के जवाब में तेल अवीव शहर और उसके बाहरी इलाके में 'एम90' रॉकेटों से बमबारी कर रही है।

इस युद्ध की शुरुआत पिछले साल सात अक्टूबर को हुई थी। हमास के सैकड़ों आतंकवादियों ने इजराइल में घुसकर नरसंहार करने के बाद 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। इस दौरान लगभग 1200 इजराइली मारे गए थे। इसके प्रतिशोध में इजराइल ने गाजा पट्टी में ताबड़तोड़ हमले शुरू किए। आज युद्ध का 87वां दिन है। इस युद्ध में अब तक लगभग 21,822 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इनमें हमास के खूंखार कमांडर भी शामिल हैं। हमास के खिलाफ इजराइल की जमीनी और हवाई कार्रवाई जारी है।

भारत के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच चीन का दौरा करेंगे राष्ट्रपति मुइज्जू, बड़े एलानों की संभावना

माले। चीन और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के बीच बीजिंग में द्विपक्षीय वार्ता के लिए बातचीत चल रही है जो कुछ ही हफ्तों में हो सकती है। अगर यह वार्ता होती है तो मोहम्मद मुइज्जू चीन आने वाले मालदीव के पहले राष्ट्रपति होंगे।

मुइज्जू करेंगे चीन का दौरा

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपतियों ने भारत को अपने पहले दौरे के तौर पर चुना था, लेकिन मुइज्जू ने सीओपी28 शिखर सम्मेलन में दुबई पहुंचने से पहले तुर्किये का दौरा किया था। यहां तक की कट्टर भारत विरोधी नेता मोहम्मद वाहिद ने 2012 में और इसके दो साल बाद अब्दुल्ला यामीन ने भी अपना पहला दौरा भारत का ही किया था। हालांकि, चीन तीसरा ऐसा देश होगा जहां मालदीव के नए राष्ट्रपति यात्रा करेंगे।मुइज्जू के तुर्किये दौरे ने चीन और भारत को यह दिखा दिया कि मालदीव अब अपने विकास के लिए दोनों में से किसी भी देश पर निर्भर नहीं है। भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह के पद से हटने के बाद चीन ने नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को आमंत्रित करने में समय बर्बाद नहीं किया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मुइज्जू को भारत से भी आमंत्रण मिला है या नहीं। मुइज्जू की यह यात्रा एचएडीआर गतिविधियों के लिए मालदीव को भारत द्वारा उपहार में दिए गए नौसैनिक हेलिकॉप्टरों के संचालन में शामिल भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने के मुइज्जू के आग्रह के बीच होगी। हालांकि, भारत इसके लिए एक व्यावहारिक समाधान की उम्मीद कर रहा है। सीओपी28 सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद मुइज्जू ने कहा कि भारत अपने सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने के लिए तैयार है। इनके बीच ही मुइज्जू ने यह भी बताया कि मालदीव भारत के साथ किए गए उस समझौते को खत्म करना चाहता है, जिसमें भारतीय नौसेना को मालदीव के जलक्षेत्र में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। यह समझौता साल 2019 में पीएम मोदी के माले दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच की गई थी। चीन का दौरा करने वाले आखिरी राष्ट्रपति यामीन थे, जिन्होंने 2017 में चीन की यात्रा की थी। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता हुआ था। इसी के साथ चीन को पश्चिमी एटोल में एक ऑब्जरवेटरी बनाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किया गया था, जिसने भारत के लिए चिंताएं बढ़ा दी थी। दरअसल, इस समझौते के तहत चीन के पास हिंद महासागर के एक बड़े से क्षेत्र में शिपिंग मार्ग का अधिकारी प्राप्त होगा, जहां से कई व्यापारी जहाज गुजरते हैं।

दुआ लीपा

ने इंडिया में मनाया अपना वेकेशन, तस्वीरें शेयर कर सिंगर ने लिखा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं

नया साल यानी 2024 की शुरुआत होने जा रही है। ऐसे में दुनिया भर में इस नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। हर कोई अपने-अपने अंदाज में साल 2023 को बाय-बाय कर रहे हैं और नए साल के जोर-दार स्वागत के लिए खड़े हैं एक तरह जहां बॉलीवुड सेलेब्स विदेशों में अपना साल मना रहे हैं तो वहीं हॉलीवुड की जानी मानी सिंगर दुआ लीपा (Dua Lipa) पिछले कुछ दिनों से इंडिया में रही और उन्होंने शानदार वेकेशन सेलिब्रेट किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने अब अपनी कुछ नई फोटोज साझा की है, जिसमें उन्होंने इंडिया की भी खूब तारीफ की है।

भारत में ऐसा रहा दुआ का सफर

दुआ लीपा अल्बानिया की मशहूर सिंगर हैं। जो बीते दिनों भारत में वेकेशन पर रही। ऐसे में अब सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह पीले रंग के राजस्थानी कुर्ते में हाथों में कप पकड़े नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक वीडियो में राजस्थानी महिलाओं का एक सुंदर नृत्य

प्रदर्शन भी दिखाया गया। तो वहीं तीसरी फोटो में दुआ लीपा एक हाथी के साथ मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इसके अलावा घोड़े पर सवारी करती नजर आ रही है।

मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं

इन फोटोज में एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, भारत में अपना साल खत्म करके मैं बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। यहां के सभी अद्भुत लोगों को धन्यवाद, जिन्होंने हमें इतना प्यार, दयालुता, आतिथ्य और उदारता दिखाई है। यह अनुभव गहरा अर्थपूर्ण रहा है। मैं अपने परिवार के साथ उस जादू में रहने के लिए भाग्यशाली महसूस करती हूं जहां हमें तलाशने, फिर से संगठित होने, रिचार्ज करने और पुन: आरंभ करने का समय मिला है। आने वाले वर्ष के लिए तैयार हूं।

फैंस ने किए कमेंट्स

सिंगर की तस्वीरों पर फैंस ने जमकर कमेंट्स आ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, विश्वास नहीं हुआ कि हॉलीवुड पॉप सिंगर भारत में छुट्टियां मनाई। एक यूजर ने लिखा, क्या दुआ भारत में है यकीन नहीं हो रहा।

दुनिया भर में फेमस है दुआ लीपा

महज 28 की उम्र में वह दुनिया भर में पहचान बना चुकी हैं। सिंगर ने साल 2014 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने वार्नर ब्रदर्स रिकॉर्ड्स के साथ एक रिकॉर्ड समझौते पर हस्ताक्षर करके अपने संगीत करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट गाने गाए हैं, जिसकी पूरी दुनिया फैन है।

डबल एविक्शन के बाद एक और कंटेस्टेंट चढ़ा एलिमिनेशन की बली, तगड़ी फैन फॉलोइंग नहीं आई काम

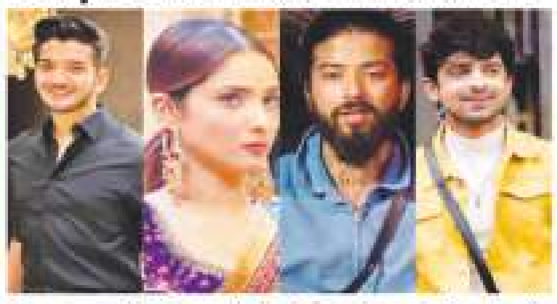

बिग बॉस 17 में धड़ाधड़ कंटेस्टेंट विकेट की तरह गिरते जा रहा हैं। हाल ही में डबल एलिमिनेशन की खबर ने झटका दिया। वहीं, अब एक और कंटेस्टेंट के एविक्शन की चौंका देने वाली जानकारी सामने आई है। बिग बॉस 17 की शुरुआत 17 सेलिब्रिटीज के साथ हुई थी। बीच में कुछ वाइल्ड कार्ड एंट्री भी शो में शामिल हुई। वहीं, अब हर किसी के लिए आगे बढ़ना मुश्किल होता जा रहा है।

तीन कंटेस्टेंट हुए बाहर

बिग बॉस 17 अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में शो में टिके रहना भी कंटेस्टेंट्स के लिए चैलेंजिंग होता जा रहा है। बिग बॉस की शख्ती बढ़ती जा रही है। इस बार तो बिग बॉस 17 से सीधा तीन कंटेस्टेंट्स को एक हफ्ते में बाहर कर दिया गया है।

किस कंटेस्टेंट का हुआ एविक्शन ?

बिग बॉस 17 में इस हफ्ते चार कंटेस्टेंट्स नॉमिनेटेड थे। इनमें रिंकू धवन, अभिषेक कुमार, नील भट्ट और आयशा खान का नाम शामिल है। एविक्शन के दौरान रिंकू धवन का पत्ता साफ हो गया है। वहीं, डबल एलिमिनेशन की मार नील भट्ट को झेलनी पड़ी। अब अनुराग डोभाल के बाहर जाने की अपडेट आई है।

बिग बॉस से पंगा पड़ा भारी

अनुराग डोभाल और बिग बॉस के बीच अनबन शुरुआत से देखने को मिल रही थी। बीच में राइडर ने शो से बाहर जाने की भी जिद की। वहीं, अब खुद बिग बॉस ने उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। बिग बॉस 17 से जुड़ी अपडेट शेयर करने वाले फैन पेज के अनुसार, बिग बॉस ने ऑरा, मुनव्वर फारूकी और ईशा मालवीय को बुलाया और किसी एक कंटेस्टेंट को एलिमिनेट करने के लिए कहा।

बिग बॉस से राइडर की हुई छुट्टी

मुनव्वर फारूकी ने अनुराग डोभाल का नाम लिया। वहीं, ऑरा ने अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय ने आयशा खान का नाम लिया। अंत में तीनों ने आपसी सहमति से अनुराग डोभाल का नाम लिया और शो से उनकी छुट्टी हो गई।

मंजुलिका, सिल्क स्मिता, बेगम जान... वो किरदार, जो निभा सकती हैं सिर्फ विद्या बालन

विद्या बालन को फिल्म इंडस्ट्री की बहुमुखी प्रतिभाओं में से एक माना जाता है। किरदार को जिस बारीकी के साथ विद्या निभाती हैं, वैसा हुनर कम ही अभिनेत्रियों में देखने को मिलता है। अपनी पहली फिल्म परिणीता से लेकर शेरनी तक विद्या ने हर किरदार को शिद्दत से निभाया।सिनेमा में योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2014 में प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। 2005 में बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद से अब तक उन्होंने कुछ बेहतरीन परफॉर्मेंसेज दी हैं। जन्मदिन के मौके पर विद्या की कुछ यादगार परफॉर्मेंसेज।

परिणीता

2005 में आई प्रदीप सरकार द्वारा निर्देशित यह रोमांटिक फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के इसी नाम के बंगाली नॉवेल पर आधारित थी। इस फिल्म में विद्या बालन के साथ सैफ अली खान और संजय दत्त ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। रेखा भी फिल्म में एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं।

लगे रहो मुन्नाभाई

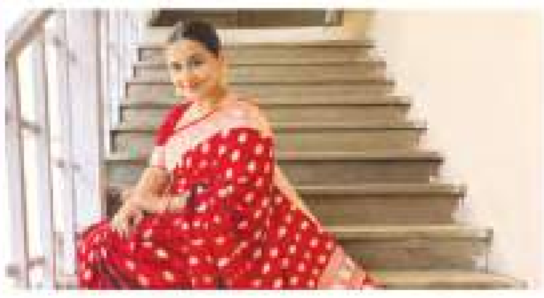

अपनी पहली फिल्म के तुरंत बाद 2006 में राजकुमार हिरानी की मुन्नाभाई एम.बी.बी.एस. की अगली कड़ी लगे रहो मुन्नाभाई में नजर आईं। इस फिल्म में विद्या ने चंचल आरजे जाह्नवी की भूमिका निभाई। फिल्म को हर किसी ने बेहद पसंद किया था। साथ ही इसे ढेर सारे पुरस्कार मिले।

भूल भुलैया

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई थी। इसमें विद्या बालन, अक्षय कुमार, अमीषा पटेल और शाइनी आहूजा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में विद्या का मंजुलिका वाला किरदार आज भी याद किया जाता है।

इश्किया

2010 में आई अभिषेक चौबे निर्देशित इश्किया रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें विद्या बालन ने नसीरुद्दीन शाह और अरशद वारसी के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। आदिल हुसैन भी अहम किरदार में थे। इस फिल्म में विद्या बालन का सिडक्टेस वाला अंदाज खूब लोकप्रिय हुआ था।

सारा अली खान

ने साझा की साल 2023 की खूबसूरत यादें, वीडियो शेयर कर दिखाई एक झलक

नए साल यानी 2024 की शुरुआत । हर कोई नए साल के जश्न में डूबा हुआ है। आमजन से लेकर फिल्मी सितारे भी नए 2023 को बाय-बाय कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई साल 2023 की खूबसूरत यादों का पिटारा खोल रहा है। अब इस साल के जाते-जाते एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी एक वीडियो साझा किया है।

ऐसा रहा सारा का साल 2023

इस वीडियो में सारा अली खान (Sara Ali Khan) ने अपने साल 2023 की कुछ यादगार पलों को फैंस के साथ शेयर किया है। इस वीडियो में देख सकते हैं कि सारा ने इस साल कितनी फिल्मों की शूटिंग की। कान्स फिल्म फेस्टिवल की झलक दिखाई। इसके अलावा एक्ट्रेस ने ये भी दिखाया कि वह इस पूरे साल कितनी जगहों पर वेकेशन मनाने गई। सारा अली खान का ये वीडियो इतना ज्यादा बेहतरीन है, जिस पर से आप अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे।

बाय-बाय साल 2023- सारा अली खान

इस वीडियो के कैप्शन में सारा अली खान ने लिखा, 2023 बाय-बाय। फिल्मों, मस्ती, पहाड़ों, मम्मी और कई प्रियजनों के लिए धन्यवाद आभार संतोष आनंद । प्रकट प्यार, शांति, परिवार और तस्वीरें (और पॉपकॉर्न) । जय भोलेनाथ। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है।

लंदन में नया साल मना रही हैं सारा

सारा अली खान इस वक्त लंदन में अपना न्यू ईयर हॉलीडे मना रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने मां अमृता सिंह और पापा सैफ अली खान के साथ फोटोज शेयर की थी। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा था, इस मैरी क्रिसमस के लिए धन्यवाद सांता। इब्राहिम, काश तुम पैकन पाई खाने के लिए, जश्न मनाने और क्रिसमस सेलिब्रेट करने के लिए यहां होते।

एक्ट्रेस की आने वाली फिल्में

सारा के वर्कफ्रंट की बात करें तो, ऐ वतन मेरे वतन में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता के किरदार में होंगी। इसके अलावा उनके पास अनुराग बसु की फिल्म और होमी अदजानिया की मर्डर मुबारक भी हैं।

महोदरी महिला सशक्तिकरण समूह द्वारा क्रिसमस पार्टी का आयोजन किया गया

दिव्या दिल्ली। महोदरी महिला सशक्तिकरण समूह ने मेजबान श्वेता खिलवानी के कुशल मार्गदर्शन में एक शानदार क्रिसमस उत्सव का आयोजन किया। वीआईपी अतिथि गौतम सेठी और मीडिया पार्टनर राजेश चौहान की उपस्थिति से सुशोभित इस कार्यक्रम ने प्रतिष्ठा और उत्सव की आभा बिखेर दी। सम्मानित अतिथियों अनिल अरोड़ा, देविंदर और हेमा छाबड़ा की उपस्थिति से प्रतिष्ठित, समारोह को प्रतिष्ठा और विशेषज्ञता का स्पर्श मिला।

उपहार देने वाले साझेदार ए जी ज्वैलर्स के अविनाश गोयल और ज्योति कोचर के उदार योगदान ने उनके सोच-समझकर तैयार किए गए उपहारों के माध्यम से उत्सव की भावना को बढ़ाया। इस कार्यक्रम में उपहार देने वाले प्रयोजन शेरबानी, उर्मिला ग्रोह, पूजा महाजन और वंदना की उदारता पर भी प्रकाश डाला गया, जिनके योगदान ने शाम को समृद्ध बनाया, उपस्थित लोगों के बीच खुशी और सद्भावना फैलाई। ग्लैमर का तड़का लगाते हुए, एक रोमांचक रैंप वॉक प्रतियोगिता ने अपने विजेताओं को ताज पहनाया, जिसमें लिजी ने पहला स्थान हासिल किया, उसके बाद नीलम दूसरे स्थान पर और पूजा महाजन तीसरे स्थान पर रहीं। महोदरी महिला उद्यमी समूह द्वारा आयोजित यह क्रिसमस समारोह न केवल सीजन का उत्सव था, बल्कि उद्यमशीलता क्षेत्र में एकता, उपलब्धि और महिला सशक्तिकरण की उल्लेखनीय भावना का एक प्रमाण भी था।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397